राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

# समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 15, अंक 29 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, रविवार 30 नवंबर 2025 www.samaydarshan.in


## संक्षिप्त समाचार

### दक्षिण अफ्रीका गोरे लोगों को मार रहा है, 2026 के जी20 समिट में उसे शामिल होने से रोका: ट्रंप

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि साउथ अफ्रीका को 2026 में जी20 समिट का न्योता नहीं मिलेगा जब अमेरिका इसकी मेजबानी करेगा. ट्रंप ने हाल ही में जोहान्सबर्ग में हुए जी20 समिट में अमेरिका के भाग न लेने का भी जिक्र किया.

एक्स पर एक पोस्ट में ट्रंप ने साउथ अफ्रीकी सरकार पर आरोप लगाया कि वह कुछ बसने वालों के खिलाफ कथित मानवाधिकार उल्लंघन को स्वीकार करने में नाकाम रही. उन्होंने लिखा, साफ शब्दों में कहें तो वे गोरे लोगों को मार रहे हैं और बेतरतीब ढंग से उनके खेत छीनने दे रहे हैं. इसके साथ ही कई अन्य देशों के नागरिक भी मानवाधिकार उल्लंघन का सामना कर रहे हैं. पिछले वीकेंड जोहान्सबर्ग में हुए जी20 लीडर्स समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत दुनिया के कई नेताओं ने हिस्सा लिया. हालांकि अमेरिका इससे दूरी बनाए रखा और अपना कोई प्रतिनिधिमंडल नहीं भेजने का फैसला किया. ट्रंप ने आगे दावा किया कि साउथ अफ्रीका ने समापन समारोह में शामिल हुए अमेरिकन एम्बेसी के प्रतिनिधिमंडल को जी20 प्रेसीडेंसी देने से मना कर दिया. उन्होंने कहा, इसलिए, मेरे कहने पर साउथ अफ्रीका को 2026 जी20 का निमंत्रण नहीं मिलेगा. इसका आयोजन अगले साल फ्लोरिडा के ग्रेट सिटी मियामी में किया जाएगा.

इस घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने इस कदम को अफसोसजनक बताया और कहा कि उनकी सरकार ने वाशिंगटन के साथ डिप्लोमैटिक संबंधों को मजबूत करने के लिए लगातार काम किया है. जी20 के आमंत्रण पत्र के हैंडओवर की खबरों पर साउथ अफ्रीका की प्रेसीडेंसी ने साफ करते हुए कहा, क्योंकि अमेरिका शिखर सम्मेलन में मौजूद नहीं था इसलिए इसके आमंत्रण पत्र साउथ अफ्रीका के डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन के हेडक्वार्टर में अमेरिकी दूतावास के एक अधिकारी को सही तरीके से सौंप दिए गए थे.

### महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, 89 लाख रुपये का था इनाम

**गोंदिया।** महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार को वरिष्ठ नक्सली अनंत उर्फ विनोद सत्यना समेत 11 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया. इन नक्सलियों पर 89 लाख रुपये का इनाम घोषित था. आत्मसमर्पण करने वाले ये नक्सली प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के दरेकसा दलम से जुड़े थे. दरेकसा दलम एमएमसी (महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़) क्षेत्र का सबसे सक्रिय दलम है. आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों की पहचान तेलंगाना के करीमनगर जिले के रहने वाले विनोद सत्यान (40), पांडु पुसु वड्डे (35), रानी उर्फ राने येसु नरोटे (30), संतू उर्फ तिजाउराम धरमसहाय पोरेटी (35), शेवंती रायसिंह पद्दे (32), काशीराम राज्य बंतुला (62), नक्के सुकलू कारा (55), सन्नू मुडियाम (27), सदु पुलाई सोती (30), शीला चमरू माडवी (40) और रितु भीमा डोडी (20) के रूप में हुई है.

भारतीय वायुसेना ने 80 से ज्यादा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवान और 8 टन सामान एयरलिफ्ट किया

# श्रीलंका में बाढ़ से 123 मौत, भारत ने मदद के लिए ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** तूफानी चक्रवात दित्वाह ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। तूफान के चलते श्रीलंका में हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ में अब तक 123 लोगों की मौत हो गई है। 130 लोग लापता बताए जा रहे हैं। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने बताया कि राहत और बचाव कार्य जारी है और हफ्ते भर से जारी बारिश में 43,995 लोगों के घर तबाह हो गए हैं। श्रीलंका की मदद के लिए भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया है।

डीएमसी के मुताबिक, लगभग 15,000 घर पूरी तबाह हो गए हैं और करीब 44,000 लोगों ने सरकारी शिविरों में शरण ली रखी है। भूस्खलन के चलते कई इलाकों का मुख्य क्षेत्रों से संपर्क टूट गया है। बिजली और जल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है और केबलें टूटने से मोबाइल नेटवर्क भी बाधित हो गया है। श्रीलंका में इससे पहले इतनी भीषण बाढ़ साल 2003 में आई थी, जब 254 लोग मारे गए थे।

भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु के तहत श्रीलंका को बचाव टीमें और मानवीय राहत सामग्री भेजी है। भारतीय वायुसेना ने कहा कि उसने श्रीलंका के लिए 21 टन राहत सामग्री, 80 से ज्यादा राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के जवान और 8 टन सामान एयरलिफ्ट किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जान-माल के नुकसान पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत जरूरत पड़ने पर और सहायता प्रदान करने के लिए तैयार है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी ऑपरेशन सागर बंधु के बारे में जानकारी देते हुए आज बताया, भारत के सी-130जे विमान लगभग 12 टन मानवीय मदद लेकर कोलंबो पहुंचा है। इसमें टेंट, तिरपाल, कंबल, हाइजीन किट और खाने के लिए तैयार चीजें शामिल हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, एक और आईएल-76 विमान कोलंबो में लैंड हुआ, । इस

### चक्रवात दित्वाह से तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** पहाड़ी राज्यों में तेजी से गिर रहे तापमान के कारण उत्तर भारत में ठंड का असर बढ़ता जा रहा है। इससे आने वाले दिनों में कई शहरों में कोहरे के साथ शीतलहर का प्रकोप बढ़ने के आसार बने हुए हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 30 नवंबर को चक्रवात दित्वाह के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तट तक पहुंचने का अनुमान जताया है। इससे 100 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ भारी बारिश-बाढ़ का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार, दित्वाह चक्रवात श्रीलंका तट और समीपवर्ती बंगाल की खाड़ी से होते हुए उत्तर-उत्तरपश्चिमी मार्ग पर आगे बढ़ेगा और रविवार सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों के पास पहुंचेगा। इससे तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी के तटीय इलाकों में 60-100 किमी/घंटा की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने, पेड़ उखड़ने और भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बाढ़ की संभावनाओं के मद्देनजर लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

पहाड़ी राज्यों में कड़ाके की सर्दी शुरू हो गई है। कश्मीर के कई जिलों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे चल रहा है। 2007 के बाद से यह सबसे सर्द नवंबर बताया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश के 16 शहरों में रात का तापमान 5 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। कई जगह पानी की टंकियां और पाइप लाइन में बर्फ जमने लगी है। इसी प्रकार उत्तराखंड के 4 धामों में तापमान माइनस 10 डिग्री से भी नीचे पहुंच गया।

राजस्थान में शुक्रवार को सर्दी की पहली मावठ होने के बाद शनिवार से सर्दी तेज होगी। इससे भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद समेत 5 जिलों में घने कोहरे का अलर्ट है।

ईडी की चार्जशीट पर फैसला टला

## नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया-राहुल को राहत

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लाउंड्रिंग के मामले में ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लेने पर फैसला टाल दिया है. स्पेशल जज विशाल गोगने ने अब 16 दिसंबर को फैसला सुनाने का आदेश दिया.

ईडी ने 6 सितंबर को सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से 4 जुलाई 2014 को ईडी के पास दर्ज कराई गयी शिकायत की प्रति और 30 जून 2021 के एक दस्तावेज की प्रति दाखिल किया था. सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि जिन लोगों ने कांग्रेस को दान दिया उनके साथ धोखाधड़ी की गयी. ईडी ने कहा कि जिन लोगों ने दान दिया उनमें से कुछ को टिकट दिए गए. आरोपपत्र में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नाम पीएमएलए के तहत दर्ज हैं। राजू ने गांधी परिवार की उस दलील का विरोध किया कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था. उन्होंने कहा कि एजेएल ही मूल रुप से नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक थी. इस मामले में राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा था कि कांग्रेस ने एजेएल को बेचने की कोशिश नहीं की थी बल्कि वो इस संस्था को बचाना चाहती थी, क्योंकि वो स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थी.

चीमा ने कहा था कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन क्यों नहीं दिखा रही है. एजेएल की स्थापना जवाहर लाल नेहरू, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और दूसरे कांग्रेस नेताओं ने 1937 में की थी. चीमा ने कहा था कि एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में कहा गया है कि उसकी सभी नीतियां कांग्रेस की होंगी. सोनिया गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि ईडी ने एक आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित मामला बनाया. उन्होंने कहा था कि ईडी ने आश्चर्यजनक से भी ज्यादा मामला बनाया है. ये मनी लाऊंड्रिंग का ऐसा मामला है जिसमें संपत्ति का कोई जिक्र नहीं है.

## दिल्ली ब्लास्ट मामले के चार आरोपियों की एनआईए हिरासत सात दिन और बढ़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने लालकिला ब्लास्ट मामले के चार आरोपियों की एनआईए हिरासत सात दिनों के लिए और बढ़ा दिया. चारों आरोपियों की एनआईए हिरासत शनिवार को खत्म हो रही थी, जिसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था. 20 नवंबर को कोर्ट ने चारो को आज तक की एनआईए हिरासत में भेजा था. कोर्ट ने जिन आरोपियों की एनआईए हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया, उनमें पुलवामा के डॉ मुजम्मिल शकील गनई, जम्मू-कश्मीर के डॉ आदिल अहमद रतहर, लखनऊ के डॉ शाहीन सईद और जम्मू-कश्मीर के मुफ्ती इरफान वागे शामिल हैं. इसके पहले कोर्ट ने 27 नवंबर को मामले के आरोपी और आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर नबी के सहयोगी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की एनआईए हिरासत सात दिनों के लिए बढ़ाया था. एनआईए के मुताबिक, दानिश ने ड्रोन में तकनीकी बदलाव किए और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट तैयार करने की कोशिश की. एनआईए के मुताबिक, दानिश उसने उमर उन नबी के साथ मिलकर पूरी साजिश को अंजाम देने में अहम भूमिका निभाई थी. एनआईए के मुताबिक, राजनीति विज्ञान में स्नातक दानिश को आत्मघाती हमलावर बनाने के लिए उमर ने ब्रेनवाश किया. वह अक्टूबर 2024 में कुलगाम की एक मस्जिद में डॉक्टर मॉड्यूल से मिलने को तैयार हुआ, जहां से उसे हरियाणा के फरीदाबाद में अल फलाह विश्वविद्यालय में रहने के लिए ले जाया गया. दानिश को पहले जम्मू-कश्मीर पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उसने खुलासा किया था कि मॉड्यूल के अन्य लोग उसे प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद के लिए ओवर-ग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) बनाना चाहते थे, जबकि उमर कई महीनों से उसका ब्रेनवॉश कर आत्मघाती हमलावर बनने के लिए तैयार कर रहा था.

## प. बंगाल के सीईओ ऑफिस को शिफ्ट करने पर विचार कर रहा चुनाव आयोग

**कोलकाता (एजेंसी)।** चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल सीईओ ऑफिस की सुरक्षा से कोई समझौता करने को तैयार नहीं है. इसलिए आयोग राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस को किसी सुरक्षित जगह पर शिफ्ट करना चाहता है. ऐसा आदेश राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस को मिला है. साथ ही आयोग ने एक बार फिर कोलकाता पुलिस को सुरक्षा का मुद्दा याद दिलाया. बार-बार आरोप लगया जा रहा है कि बीएलओ को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का काम करते समय कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. इसके विरोध में बीएलओ के एक ग्रुप ने सोमवार को राज्य के चीफ इलेक्शन ऑफिसर के ऑफिस तक मार्च निकाला. उनका एक प्रतिनिधिमंडल बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर भी पहुंच गया जहां चीफ इलेक्शन ऑफिसर मनोज कुमार अग्रवाल बैठते हैं. वे चीफ इलेक्शन ऑफिसर को अपने बयान के साथ एक मेमोरेंडम देना चाहते थे. लेकिन चीफ इलेक्शन ऑफिसर के व्यस्त होने की वजह से एडिशनल चीफ इलेक्शन ऑफिसर दिव्येंदु दास ने उनसे मिलने की इच्छा जताई.

5 लाख की फिरौती, गिरफ्तार

# विश्वास का क़त्ल! गरीबी की कहानी सुनाकर जीता भरोसा फिर ऑटो ड्राइवर ने रच दिया शिक्षिका के अपहरण का 'ड्रामा

**भिलाई (समय दर्शन)।** जिस ऑटो ड्राइवर को एक शिक्षिका पिछले 2-3 साल से भरोसेमंद मानकर अपने और मूक-बधिर बच्चों के स्कूल ड्रॉप के लिए इस्तेमाल कर रही थीं, उसी ने गरीबी और कर्ज का झूठा रोना रोकर पहले तो उनकी सहानुभूति जीती, और फिर उसी भरोसे का गला घोंटकर अपहरण का एक सनसनीखेज ड्रामा रच डाला। दुर्ग पुलिस ने इस चौंकाने वाली साज़िश का खुलासा महज़ कुछ घंटों में कर दिया, जब आरोपी 5 लाख रुपए की फिरौती मांगकर बुरी तरह फंस गया।

### पति को आया पत्नी के नंबर से फ़ोन

घटना 28 नवंबर की सुबह की है। पीड़िता रोज की तरह घर से स्नेह संपदा स्कूल के लिए निकली थीं। कुछ ही देर बाद उनके पति के होश उड़ गए, जब उनके मोबाइल पर पत्नी के ही नंबर से एक अनजान कॉल आया। सामने से करारी आवाज़ ने धमकी दी तुम्हारी पत्नी हमारे कब्ज़े में है, 5 लाख दो... नहीं तो अंजाम बुरा होगा! घबराए पति ने तनिक भी देर न करते हुए तुरंत थाना छावनी में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने अप.क्र. 615/2025 के तहत अपहरण और आईटी एक्ट की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया।

### साइबर सेल ने खोल दिया 'भरोसे का जाल'

मामले की गंभीरता को देखते हुए, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा के निर्देशन में एसीसीयू और अन्य टीमों को तुरंत सक्रिय किया गया। टेक्निकल सर्विलांस ने तेज़ी से काम किया और कुछ ही घंटों में शिक्षिका को सुरक्षित ढूंढ लिया। इसके बाद, संदेह की सुई जाकर अटकी—स्कूल ऑटो चालक इन्तखाब आलम पर। पूछताछ में इन्तखाब आलम ने जो खुलासा किया, वह चौंकाने वाला था।

वह पिछले 2-3 वर्षों से शिक्षिका और मूक-बधिर बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने का काम कर रहा था। इस दौरान उसने कई बार शिक्षिका को अपनी गरीबी, कर्ज और घर की परेशानियों की दुखभरी कहानियां सुनाईं। इन्सानियत के नाते, शिक्षिका ने कई बार आर्थिक मदद भी की थी। इन्तखाब ने इसी गहरे भरोसे का गलत फायदा उठाते हुए यह अपहरण का नाटक रचा। उसकी योजना एकदम साफ थी—शिक्षिका के पति से 5 लाख रुपए की बड़ी रकम वसूलना। धमकी देने के लिए उसने शिक्षिका का ही मोबाइल इस्तेमाल किया था।

### चंद घंटों में आरोपी गिरफ्तार, घटना से लें सबक

दुर्ग पुलिस की तेज़ कार्रवाई से आरोपी इन्तखाब आलम की साज़िश चंद घंटों में खत्म हो गई। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी इन्तखाब आलम को हिरासत में लिया, धमकी में इस्तेमाल हुआ शिक्षिका का सिम और मोबाइल जब्त किया, और वारदात में शामिल उसके ऑटो को भी जब्त कर, आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। दुर्ग पुलिस की सक्रियता के चलते, यह अपहरण का ड्रामा कुछ घंटों में सुलझ गया और शिक्षिका को सुरक्षित उनके घर पहुंचा दिया गया। यह घटना एक बड़ा संदेश देती है कि जिस पर हम आसानी से भरोसा कर लेते हैं, लालच में आकर वही विश्वासघात का सबसे बड़ा हथियार बन सकता है।

# धान बेचने किसानों का पसीना निकल रहा, कड़ी मशक्कत के बाद टोकन मिल रहा

**पाटन ( समय दर्शन )।** राज्य सरकार के द्वारा समर्थन मूल्य पर किसानों का धान की खरीदी शुरू तो कर दी गई है लेकिन किसानों को अपने मेहनत के फसल को बेचने के लिए काफी पसीना बहाना पड़ रहा है जितनी समस्या किसानों को धान की बोनी से लेकर कटाई तक नहीं हुई उससे ज्यादा समस्या उसे अपने उपज को बेचने के लिए हो रही है। शुरू से लेकर आखिरी तक दिक्कतों का ही सामना करना पड़ रहा है। कई किसान परेशान भी है। सबसे पहले किसानों को तो आसानी से टोकन नहीं मिल रहा है ऑनलाइन एप पर टोकन के लिए जब खोलते हैं तो जैसे खुलता है उसके 1 से 2 मिनट में पूरा लिमिट फुल हो जाता है। इसका यह भी कारण बताया जा रहा है कि धान खरीदी की लिमिट बढ़ाया



नहीं गया है। इस कारण से टोकन बहुत जल्दी फुल हो जाता है । किसी भी तरह से टोकन अगर मिल भी जाए तो किसानों को सुबह 5 बजे से अपनी धान को लेकर उपार्जन केंद्र के सामने लाइन लगाने पड़ रही है। सुबह 8 बजे गेट पास एंट्री का ऐप खुलता है । वह भी आज पाटन ब्लॉक के कई समिति में काफी देर से खुली।। आधे घंटे तक प्रयास करने के बाद किसानों की धान का एंट्री शुरू हुआ इससे किसान काफी मायूस नजर आ रहे थे। धान के गाड़ी के सामने पर्ची को लेकर फोटो खींचना किसानों को नागवार गुजर रहा है । यही नहीं किसी भी तरीका से अगर धान की एंट्री हो भी गई तो कंप्यूटर ऑपरेटर दक्ष नहीं है उन्हें भी एंट्री काटने में काफी समय लग रहा है ।

कुछ किसानों ने तो यह भी बताया कि उनके जितना धान लाए थे कहीं कहीं उनसे काम की एंट्री भी दिया जा रहा है। वही यह भी बताया जा रहा है कि धान बेचने के बाद पेमेंट एवं लिंकिंग में भी कहीं कहीं पर गड़बड़ी बताई जा रही है कंप्यूटर ऑपरेटर नए होने एवं धान खरीदी का दबाव उन पर हमेशा बना हुआ है इस कारण से भी उन्हें ऑपरेटिंग सिस्टम को समझने में समय लग रहा है । समिति तक लाने और बेचने के लिए किसानों को काफी मेहनत करनी पड़ रही है। समितियो में कई किसान आज आक्रोशित नजर आए। शाम होते ही क्लोजिंग करने की हड़बड़ाहट भी ऑपरेटर को रहती है। बताया जा रहा है कि ऑफलाइन 30ऱ टोकन काटना है, आदेश भी जारी हो चुका है लेकिन लिमिट कम होने के कारण ऑफलाइन टोकन नहीं काटे जा रहे हैं। ऑफलाइन टोकन के चक्कर में धान के कोचिया जो है वह भी समितियां में मंडराने लगे हैं। समिति प्रबंधक के पास जो कोचियों का विचरण भी देखा जा सकता है। कुल मिलाकर धन खरीदी तो चल रही है लेकिन किसानों को होने वाले परेशानी से किसी भी को लेना देना नहीं है यही कारण है कि मजबूर किसान जैसे तैसे अपनी धान बेचने के लिए मजबूर हैं।

## 132 केवी लाइन विवाद: किसान 2 दिसंबर को एसडीएम कार्यालय में दर्ज करेंगे आपत्तियाँ



### मुआवज़े में पारदर्शिता और उचित दरों की मांग तेज, प्रशासन से स्पष्ट जानकारी की अपेक्षा

**पाटन ( समय दर्शन )।** पाटन-अण्डा 132 केवी विद्युत लाइन निर्माण को लेकर प्रभावित किसानों की नाराज़गी लगातार बढ़ती जा रही है। मुआवज़े की अस्पष्ट प्रक्रिया, सर्वे एवं मार्ग-चयन में किसानों की सहमति न लेने और मूल्यांकन दरों की जानकारी उपलब्ध न कराने के विरुद्ध किसानों ने अपनी आपत्तियाँ तेज कर दी हैं। इसी संदर्भ में प्रभावित किसानों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें ग्राम मटंग व बोदल के किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे और उन्होंने वर्तमान स्थिति पर गंभीर चिंता जताई।

किसानों ने निर्णय लिया कि वे अपनी आपत्तियाँ और मांगों को औपचारिक रूप से प्रस्तुत करने दिनांक 02 दिसंबर 2025, दिनङ्कमंगलवार, समयङ्क11 बजे सामूहिक रूप से एसडीएम कार्यालय पाटन पहुंचेंगे। किसान संघर्ष समिति ने बताया कि इस दौरान वे प्रशासन से सर्वे रिपोर्ट, स्वीकृत मार्ग-चयन प्रतियां, मूल्यांकन दरें, देय राशि का विवरण तथा अब तक की गई सभी प्रशासनिक कार्यवाहियों की प्रतियां मांगेंगे। किसानों ने जोर दिया कि भूमि क्षतिपूर्ति का निर्धारण शासनादेश 10 मार्च 2025 तथा केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड 2025ङ्क26 की गाइडलाइन के अनुरूप होना चाहिए। समिति ने चेतावनी दी है कि यदि मुआवज़ा प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत नहीं हुई, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। किसानों के मार्ग दर्शन के लिए किसान नेता ढालेश साहू उपस्थित रहें। किसान नेता व सरपंच अमित हिरवानी ने कहा पंचायत ग्रामीणों के साथ है। बैठक में किसान वेदराम बारले, हिरासिंग ठाकुर, अमरदास नागे, जगदीश वर्मा, होमलाल शिवारे, होमलाल वर्मा, ललित साहू, गंगोत्री वर्मा, रोशन लाल, चंद्रकेतु यादव, भुनेश्वर प्रसाद, सुनील कुमार, नारायण साहू, राजेश साहू, लोकनाथ, बिसेसर यादव, आदि मटंग बोदल के चालीस किसान उपस्थित थे।

## सीसी रोड निर्माण होने से व्यापार में आएगी तेजी- चंद्रप्रकाश

### सीसी रोड निर्माण का किया भूमिपूजन

**कवर्धा ( समय दर्शन )।** नगर पालिका क्षेत्रांतर्गत महावीर स्वामी वार्ड क्रमांक 23 में सत्यम जनरल स्टोर्स से लेकर महावीर स्वामी चौक तक प्रस्तावित सीसी सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, वार्ड पार्षद, व्यापारियों की उपस्थिति में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि यह सड़क लंबे समय से जर्जर अवस्था में होने से एवं उखड़ी हुई सड़क के कारण क्षेत्र में धूल, गड्ढों और अव्यवस्थित आवागमन की समस्या बना हुआ था। व्यापारियों एवं स्थानीय परिवारों ने कई बार सड़क निर्माण की मांग की, जिसे ध्यान में रखते हुए इस मार्ग के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, शहर मंडल अध्यक्ष सतविंदर पाहुजा, वार्ड पार्षद एवं सभापति रिंकेश वैष्णव, पार्षद डोनेश राजपूत, सौखी आहिरवार, हरीश कुंभकार, जसवंत छाबड़ा अतुल देशलहरा, प्रेमचंद



श्रीश्रीमाल, डॉ.अतुल जैन, जसवंत छाबड़ा, कमल आहूजा, अमित शर्मा, हरदीप सलूजा, राजेन्द्र शर्मा, कौशल कौशिक, हामिद सिद्दिकी, सोनू चांवला, सुरजीत सिंह खुराना, गोल्डी बग्गा, श्याम चकोर, द्वारिका गुप्ता, सूचित बोथरा, अविनाश पारख, प्रमोद लुनिया, अनिल लुनिया, प्रतीक लुनिया सहित अधिक संख्या में व्यापारीगण उपस्थित थे।

### समस्याओं का निराकरण ही पहली प्राथमिकता

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने व्यापारियों से चर्चा में कहा कि वार्ड क्रमांक 23 का यह मार्ग लंबे समय से नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बना हुआ था। आपकी समस्याएँ हमारी प्राथमिकता हैं और नगर में जहाँ भी असुविधा है उसे दूर करने का दायित्व पूरा पालिका टीम का है।

नगर के सभी वार्डों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए हम विभिन्न विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं। अब यह सीसी रोड के बन जाने से न केवल धूल और गंदगी की समस्या समाप्त होगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी सुगमता मिलेगी। हमारा लक्ष्य है कवर्धा शहर को स्वच्छ, सुंदर व विकसित कवर्धा के रूप में निर्माण करना। सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्र के नागरिकों एवं व्यापारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान अब होने जा रहा है।

## धान पंजीयन के लिए भटक रहे कवर्धा क्षेत्र के किसान- चोवाराम साहू



**कवर्धा ( समय दर्शन )।** प्रदेश सहित कवर्धा जिले के धान उत्पादक किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा इस बार अनिवार्य किया गया एग्रीस्टैक पोर्टल पंजीयन सहित अन्य अनिवार्यताएं किसानों के लिए भारी मुसीबत खड़ी कर रही है। बताया जा रहा है कि पंजीयन की अंतिम तिथि को लगातार आगे बढ़ाए जाने के बाद भी जिले में किसान पंजीयन नहीं करा पा रहे हैं।

कृषि उपज मण्डी के पूर्व उपाध्यक्ष चोवा राम साहू ने कहा है कि यह बताना लाजिमी होगा कि किसानों की समस्याओं व मांग को देखते हुए शासन ने एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन की तिथि को बढ़ा दिया था, लेकिन अभी भी कई किसान नियम कायदों में फंसे होने के कारण अपना पंजीयन नहीं करा पाए है। कवर्धा मंडी के पूर्व उपाध्यक्ष श्री साहू ने बताया कि शासन ने इस बार समर्थन मूल्य में धान खरीदी की प्रक्रिया का इतना जटिल कर दिया है कि किसान इस में उलझकर रह गए है। उन्होने बताया कि धान खरीदी संबंधी विभिन्न पंजीयन कराने की अंतिम तिथि 25 नवम्बर निर्धारित की गई है। जिसके चलते सोमवार को तहसील कार्यालय स. लोहारा -बोड़ला में किसानो की भारी भीड़ देखने को मिली। श्री साहू ने बताया कि किसानो को पंजीयन में आधार सीडिंग और ई-केवाईसी, दस्तावेज़ों की जांच, पोर्टल और ऐप का उपयोग करने में समस्याएं आ रही हैं, जैसे कि पोर्टल पर तकनीकी खराबी और जानकारी की गलतियां। उन्होने बताया कि कई किसानों को आधार सीडिंग और ई-केवाईसी प्रक्रिया को पूरा करने में परेशानी हो रही है। इसी प्रकार गिरदावरी और भूमि रिकॉर्ड के

## जल संरक्षण को जनांदोलन बनाने हेतु वाटरशेड महोत्सव में सोशल मीडिया प्रतियोगिता का आयोजन

**कोरबा।** जल संरक्षण एवं भूमि संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से भूमि संसाधन विभाग, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों के सहयोग से वाटरशेड महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव की प्रमुख गतिविधियों में सोशल मीडिया प्रतियोगिता शामिल की गई है, जिसका मुख्य लक्ष्य समुदायों में जल संरक्षण कार्यों और उनसे प्राप्त लाभों को व्यापक स्तर पर प्रस्तुत करना है।

प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिभागियों को 12 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक वाटरशेड विकास घटक-प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (ॅक्ब्.च्डज्ञैल् 1.0 एवं 2.0) तथा केंद्र एवं राज्य सरकारों की अन्य वाटरशेड विकास योजनाओं के अंतर्गत निर्मित जल संचयन संरचनाओं जैसे चेकडेम, स्टाडेम, तालाब, डबरी और उद्यानिकी तथा कृषि वानिकी वृक्षारोपण से समुदाय को प्राप्त लाभों को दर्शाते हुए 30 से 60 सेकंड की अवधि के लघु वीडियो, रील्स और फोटोग्राफतैयार कर सोशल मीडिया पर रॅुक्ब-च्डज्ञैल् के साथ अपलोड करना होगा।

## किसानों की धान पर मार रहे थे डंडी ,इधर एक समिति प्रबंधक रकबा समर्पण नहीं कराया

### दो समिति प्रबंधक को कारण बताओ नोटिस

**पाटन ( समय दर्शन )।** कलेक्टर अभिजीत सिंह ने आज जिले के पाटन विकासखण्ड के ग्राम कुर्मीगुण्डरा, जामगांव (एम), घुघवा और पंदर में धान उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने पंदर में एसआईआर कार्य का भी अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने उपार्जन केन्द्रों में धान बेचने आये किसानों से रू-ब-रू चर्चा कर व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

धान उपार्जन केन्द्र कुर्मीगुंडरा, जामगांव (एम) और घुघुवा में गत वर्ष की तुलना इस वर्ष अधिक खरीदी, वहीं पंदर में कम खरीदी हुई है। आज की तिथि में धान उपार्जन केन्द्र कुर्मीगुण्डरा में 8295 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 2378 क्विंटल, धान पतला 2003 क्विंटल एवं धान सरना 3914 क्विंटल शामिल है। जबकि गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र में 7006 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी। जामगांव (एम) उपार्जन केन्द्र में 5940 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 2737 क्विंटल, धान पतला 943 क्विंटल एवं धान सरना 2261 क्विंटल शामिल है। गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र में 5346 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी। इसी प्रकार घुघवा उपार्जन केन्द्र में 4750 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 1960 क्विंटल, धान पतला 435 क्विंटल एवं धान सरना 2356 क्विंटल शामिल है। गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र 4460 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी। पंदर उपार्जन केन्द्र में आज की तिथि में 5492 क्विंटल धान की खरीदी हुई है। जिसमें धान मोटा 1322 क्विंटल, धान पतला 1912 क्विंटल एवं धान सरना 2258 क्विंटल शामिल है। जबकि गत वर्ष इस उपार्जन केन्द्र में 6299 क्विंटल धान की खरीदी हुई थी।

कलेक्टर श्री सिंह ने कुर्मीगुण्डरा उपार्जन केन्द्र में धान बिक्री कर चुके ग्राम गब्दी के किसान श्री चितरंजन लाल से मोबाईल पर चर्चा कर धान की उपज एवं रकबा समर्पण आदि के संबंध में जानकारी ली।

किसान चितरंजन ने कलेक्टर को अवगत कराया कि उन्होंने उत्पादित धान फसल 55.20 क्विंटल धान की बिक्री कर चुके हैं। अब उनके पास बिक्री हेतु धान शेष उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने रकबा समर्पण नहीं होने की जानकारी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने समिति द्वारा किसान से रकबा समर्पण नहीं कराने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति प्रबंधक को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये हैं।

## राजस्व वसूली पर महापौर सख्त: प्रदर्शन खराब रहा तो विभाग का होगा निजीकरण

### महापौर अलका बाघमार का चेतावनी भरा निर्देश: बकाया वसूली में तेजी लाएं अधिकारी

**दुर्ग ( समय दर्शन )।** नगर पालिक निगम दुर्ग में शुक्रवार को आयोजित राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक में महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने राजस्व विभाग के अधिकारियों और अमले को कड़े निर्देश जारी किए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बकाया राशि की वसूली में तेजी लाएं और काम को पूरी गंभीरता एवं ईमानदारी से करें, अन्यथा विभाग के निजीकरण पर विचार करना मजबूरी बन जाएगा।

महापौर ने राजस्व अधिकारी आर.के. बोरकर, सहायक राजस्व अधिकारी थानसिंह यादव, सजंय मिश्रा, सहित संपूर्ण राजस्व अमले को निर्देशित किया कि बकाया राशि की वसूली को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखें। उन्होंने कहा कि नगर निगम की वित्तीय स्थिति मजबूत रखने के लिए राजस्व वसूली में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### निजीकरण की चेतावनी

महापौर बाघमार ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि वसूली का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा, तो निगम राजस्व वसूली के कार्य को निजी हाथों में सौंपने पर गंभीरता से विचार करेगा।

यह चेतावनी बैठक में मौजूद अधिकारियों के लिए एक स्पष्ट संदेश थी कि भविष्य में ढिलाई नहीं चलेगी।

### यूजर चार्ज की सख्त वसूली के निर्देश



बैठक में महापौर ने यूजर चार्ज की सख्ती से वसूली करने के निर्देश देते हुए बताया कि कई क्षेत्रों में अभी भी अपेक्षित वसूली नहीं हो रही है। इस पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि जो टैक्स नहीं दे रहे हैं, उनके नल काटने और वारंट जारी करने की कार्रवाई शुरू की जाए। महापौर बाघमार ने विभाग को इस वर्ष 100ऱ वसूली का लक्ष्य देते हुए कहा कि सभी वार्डों में टीम बनाकर विशेष अभियान चलाया जाए।

बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि मांगलिक भवनों, निजी हॉस्पिटल से लंबित कर एवं उपयोग शुल्क की वसूली पर विशेष ध्यान देते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए।

## कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल, पाटन में मातृ दिवस मनाया

**पाटन ( समय दर्शन )।** कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल, पाटन में मातृ दिवस के रूप में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी अपनी माताओं के साथ मिलकर इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम की शुरुआत माता सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर उनकी पूजा अर्चना कर प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात सभी माताओं को सम्मानित किया गया। सभी विशिष्ट अतिथियों के स्वागत में हमारे विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। हमारे इस कार्यक्रम की अध्यक्षता व्यवहार न्यायाधीश जज श्रीमती शीतल निकुम एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती निशा सोनी (उपाध्यक्ष नगर पंचायत पाटन) डॉ. किरण बाला पटेल (जनरल सेक्रेटरी सनातन धर्म महिला परिषद भारत) एवं श्रीमती इंदु भाले उपस्थित रहे। विशेष अतिथि कृष्णा किड्स वर्ल्ड स्कूल के डायरेक्टर श्रीमती अनुपमा उपाध्याय, श्री विनोद उपाध्याय, श्री कृष्ण कुमार देवांगन (स्वुष्ट एक्सपर्ट) उपस्थित थे। शाला के प्राचार्य श्री मयंक कटकवार द्वारा विद्यार्थियों एवं माताओं को तथा सभी अतिथियों को संबोधित कर माताओं के महत्व को बताया गया। तत्पश्चात श्रीमती निशा सोनी जी द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किये गया। कार्यक्रम के अगले कड़ी में श्रीमती अनुपमा उपाध्याय जी द्वारा बच्चों को व उनकी माताओं को संबोधित किया गया। इसके पश्चात सभी अतिथियों द्वारा अपने विचार प्रकट किए गए एवं नारी शक्ति का महत्व बताया गया। इस आयोजन में हमारे विद्यालय के छात्राओं द्वारा विभिन्न



प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये जिसमें छात्राओं ने अनेक वीरांगनाओं की भव्य झलक प्रस्तुत की। इन्हीं वीरांगनाओं और समाज में शिक्षा का प्रचार प्रसार कर महिलाओं को शिक्षित करने वाली सावित्रीबाई फुले के जीवनवृत्त को भी नृत्य के माध्यम से छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के छात्राओं ने अनेक प्रस्तुतियों के माध्यम से माताओं एवं महिलाओं के महत्व को समझाया। इसी कड़ी में विद्यालय के छात्राओं द्वारा माता के लिए एक छोटी सी कविता प्रस्तुत भी की गई। विद्यालय के छात्राओं की माताओं द्वारा अपने बच्चों के साथ बहुत ही सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया गया जिसने सभी बच्चों एवं दर्शनार्थियो तथा अतिथियों का मन मोह लिया। इस प्रकार अनेक गतिविधियों द्वारा विद्यार्थियों ने अपने माताओं के लिए प्रेम प्रकट किया और उनको सम्मानित किया। माँ न केवल एक परिवार की रीड होती है बल्कि वह बच्चे की पहली शिक्षक भी होती है इसी के साथ सभी माताओं के लिए अनेक प्रकार के खेलों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें बॉल पासिंग, बिंदी लगाओ जैसे प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ साथ ही साथ माताओं के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई। इन प्रतियोगिताओं में सभी माताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और खूब आनंद उठाया। इन खेलों में माताओं और बच्चों ने मिलकर भाग लिया। मंच पर माताओं और बच्चों ने मिलकर नृत्य किया, गीत गाए और अपनी रचनात्मक प्रतिभाओं का परिचय दिया। बच्चों की मुस्कान और माताओं की संतुष्टि हमारे यह कार्यक्रम की सफलता को दर्शाती है। अत: हमने मातृ दिवस के रूप में इस उत्सव को बड़े ही हर्षोल्लास के के साथ मनाया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी माताओं, बच्चों, विशेष अतिथियों, विद्यालय के सदस्यों एवं सभी दीदी भईया का योगदान रहा। इस कार्यक्रम में विद्यालय के उपप्राचार्या श्रीमती यामिनी साहू शिक्षिकाएं मीना साहू, खुशबू वर्मा, प्रियंका वर्मा, भूमिका वर्मा, जीना साहू, इंदु देवांगन, लक्ष्मी यादव, किरण वर्मा, वंदना कुर्रे उपासना देवांगन, श्री सोनी, सावित्री बघेल, दीप्ति लहरी, राजेश्वरी एवं शिक्षक राजकुमार साहू, देवेंद्र कुमार, जितेंद्र साहू, तोमेश कुमार साहू एवं सभी विद्यालय सदस्यों का योगदान रहा।

## संक्षिप्त-खबर

### बी ई ओ ने ली बच्चों को क्लास, निरीक्षण करने बठेना स्कूल पहुंचे



**पाटन ( समय दर्शन )।** पाटन बीईओ ढालेंद्र देवांगन ने बठेना स्कूल का औचक निरीक्षण किया। शाला में बच्चों को गणित, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान के प्रश्न पूछे एवं बच्चों के संतोषप्रद जवाब से खुश हुए। श्री देवांगन ने संविधान में हमारे अधिकार एवं कर्तव्यों के बारे में बच्चों से जानकारी ली। शिक्षक नरोत्तम साहू द्वारा स्मार्ट क्लास, टीएलएम के माध्यम से पढ़ाई एवं राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य परीक्षा के लिए कराये जा रहे तैयारी की तारीफकी। स्कूल में प्रिंट रीच बनाने नये दीवारों पर चार्ट एवं हैंगिंग टीएलएम लगाने की सलाह दी। कक्षा आठवी के बच्चों को नियमित पढ़ाई कर उत्कृष्ट परिणाम लाने प्रेरित किये। गणित के बोडमास नियम एवं गणितीय संक्रियाओं पर बच्चों से सवाल पूछे एवं बच्चों के जवाब से खुश हुए। विद्यालय के भौतिक संसाधनों एवं मध्यान्ह भोजन के बारे में प्रधान पाठक गजानंद बंछोर से जानकारी लिए तथा रसोईकक्ष में जाकर रसोईयों व बच्चों से चर्चा कर दिशा निर्देश दिए।

### कलेक्टर दुर्ग का पाटन ब्लॉक दौरा, धान खरीदी सहित एसआईआर कार्य का निरीक्षण



**पाटन ( समय दर्शन )।** कलेक्टर दुर्ग अभिजीत सिंह ने शुक्रवार को पाटन ब्लॉक का दौरा किया वह धान खरीदी केंद्रों पर पहुंचे । इसके अलावा विशेष मतदाता गहन पुननिरीक्षण एस आई आर कार्य जो चल रहा है उसका भी निरीक्षण किया । साथ उन्होंने ब एल ओ से चर्चा भी की। जानकारी के मुताबिक कलेक्टर सेवा सहकारी समिति कुर्मीगुंडरा में हो रही धान खरीदी का निरीक्षण किया यहां पर उन्होंने धान बेचने आया किसानों से भी बात की । किसानों ने टोकन काटने में हो ररी समस्याओं से अवगत कराया। इसके अलावा उन्होंने घुघवा धान खरीदी केंद्र भी पहुंचे वहां पर भी धान खरीदी की व्यवस्था का जायजा लिया। ग्राम पंचायत पंडर में एस आई आर कार्य चल रहे हैं उसकी जानकारी ली वहां पर उपस्थित बीएलओ एवं ग्राम पंचायत सचिव से भी अब तक की स्थिति के बारे में जानकारी लिए साथ ही साथ ऑनलाइन के कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर एसडीएम पाटन लवकेश ध्रुव, जनपद पंचायत पाटन के सीईओ गजेंद्र साहू सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

### चाकूबाजी के आरोपी पर हो कड़ी कार्रवाई : हरीश यादव



**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** मानव मंदिर चौक में हुई चाकूबाजी की घटना के बाद यादव समाज में नाराजगी तेज हो गई है। घटना से आक्रोशित समाजजनों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोपी के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

यादव समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष गुरूदेव हरीश यादव ने कहा कि शहर में हुई चाकूबाजी की घटना बेहद गंभीर है। इससे आम लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की कि आरोपी पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

समाज के प्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि शहर में लगातार बढ़ते आपराधिक मामलों पर रोक लगाने के लिए पुलिस को प्रभावी कदम उठाने होंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आरोपी पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुईए तो समाज चरणबद्ध आंदोलन की ओर बढ़ने को मजबूर होगा। ज्ञापन सौंपने महेश यादव, दुर्गेश यादव, अमन यादव, कैलाश, विद्या यादव, फागुवा, बीआर यादव, बिजेंद्र, कल्पेश, अनिमेष, लक्ष्मी नारायण, लव यादव, विक्रांत, अभिषेक सहित बड़ी संख्या में सामाजिकगण उपस्थित रहे।

### जिला प्रशासन की त्वरित जांच कार्रवाई फोर्टिफाइड राइस की पुष्टि

**कोरबा।** मीडिया संस्थानों द्वारा वाहन क्रमांक सीजी 12 बीएच 9569 के दुर्घटनाग्रस्त होने पर उसमें लदे 70 बोरी चावल को प्लास्टिक चावल बताकर समाचार प्रसारित किया गया था। इस सूचना पर प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की और विस्तृत जांच कराई। दुर्घटना के बाद संबंधित वाहन को थाना बांगो लाया गया, जहां क्वालिटी इंस्पेक्टर द्वारा चावल की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया। जांच में यह पाया गया कि वाहन में कुल 70 बोरी, प्रत्येक 40 किलोग्राम के अनुसार लगभग 30 क्विंटल चावल लदा था। दुर्घटनाग्रस्त वाहन बोलेरो पिक-अप ( सीजी 12 बीएच 9569 ) है, जो कंचन मीरी राइस मिल रतनपुर से चिरमिरी की ओर जा रहा था। वाहन में मौजूद टैक्स इनवॉइस की जांच करने पर यह भी पुष्टि हुई।

बच्चों से संवाद कर पढ़ाई के प्रति किया प्रेरित

# पोटिया प्राइमरी एवं मिडिल स्कूल का शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने किया निरीक्षण

**रायपुर।** स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि-विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव आज दुर्ग नगर निगम के वार्ड क्रमांक 54 स्थित पोटिया के प्राथमिक एवं मिडिल स्कूल पहुंचे। उन्होंने स्कूल परिसर का विस्तृत निरीक्षण कर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया और बच्चों से सीधे संवाद कर उनकी पढ़ाई, आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी प्राप्त की।

**स्कूल परिसर का निरीक्षण, शिक्षकों को दिए निर्देश** - निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री यादव ने स्कूल के शिक्षकों से चर्चा कर बच्चों की पढ़ाई को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे की नियमित उपस्थिति, कोर्स की प्रगति और शिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। मंत्री ने स्पष्ट कहा कि विद्यार्थियों की शिक्षा की नींव ही उनके उवल भविष्य की नींव है। उन्होंने स्कूल में उपलब्ध संसाधनों, खेलकूद सामग्री, स्वच्छता, शिक्षण सामग्री और आधारभूत ढांचे की भी समीक्षा की। बच्चों द्वारा बताए गए आवश्यक बिंदुओं को तुरंत पूरा करने हेतु उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

**गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध** - मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार कार्यक्रम और अन्य सहगामी शासकीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगातार बड़े और प्रभावी कदम उठा रही है। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया किरूशिक्षा के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों पर भी पूरा ध्यान दिया जाए, जिससे बच्चों का समग्र व्यक्तित्व विकास हो सके।

**बच्चों ने शिक्षा मंत्री से रखी अपनी मांगें**- निरीक्षण के दौरान बच्चों ने शिक्षा मंत्री से खुलकर संवाद किया। उन्होंने स्कूल में खेलकूद सामग्री की कमी, बाउंड्रीवाल की ऊँचाई बढ़ाने, एवं शौचालय के संधारण की मांगें रखीं। मंत्री श्री यादव ने तुरंत संबंधित अधिकारियों से बात कर इन सभी कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बच्चों के पसंदीदा विषय, पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों के बारे में जाना और उन्हें प्रतिदिन स्कूल आने, अनुशासन बनाए रखने तथा मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

**स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की रही सहभागिता** - इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, पार्षद श्रीमती हिरौंदी चंदानियाँ, श्रीमती सविता साहू, श्री साजन जोसफ मंडल अध्यक्ष श्री कौशल साहू, श्री आसिफअली, भूपेंद्र साहू, नीलेश बंजारे, जीतेन्द्र साहू, श्री देवेंद्र टंडन, श्री उमेश गायकवाड़ सहित क्षेत्र के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### पारदर्शी, धान खरीदी व्यवस्था से सरगुजा के किसान सहजता से बेच रहे हैं धान

**रायपुर।** धान खरीदी के दौरान सरगुजा जिले में विभिन्न उपार्जन केन्द्रों में किसानों की संतुष्टि लगातार देखने को मिल रही है। ग्राम पंचायत थोर के किसान श्री गोरेलाल राजवाड़े केशवपुर धान उपार्जन केंद्र में अपना धान बेचने पहुंचे, जहां उन्होंने खरीदी व्यवस्था की खुलकर सराहना की। किसान गोरेलाल राजवाड़े ने बताया कि समिति से टोकन कटाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई और यह प्रक्रिया पूरी तरह सहज एवं सुगम है। उन्होंने कहा कि उपार्जन केंद्र में पहुंचते ही सेवा से संबंधित सभी व्यवस्थाएं उपलब्ध मिल जाती हैं, जिससे धान की खरीदी बिना किसी परेशानी के सुनिश्चित हो रही है। श्री राजवाड़े ने अपने पहले टोकन में 46 क्विंटल धान बेचा है। उन्होंने बताया कि खेत और खलिहान में रखा बाकी धान भी थ्रेसरिंग होते ही बेचने आएंगे। उन्होंने कहा कि धान खरीदी प्रक्रिया पूरी तरह व्यवस्थित होने से किसान निश्चिंत होकर खरीदी केंद्र पहुंच रहे हैं। किसान गोरेलाल राजवाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार में किसानों को धान का सर्वाधिक दाम 3100 प्रति क्विंटल मिल रहा है, जिससे क्षेत्र के किसानों में काफी खुशी है। उन्होंने कहा कि यह मूल्य न केवल किसानों को आर्थिक मजबूती प्रदान कर रहा है, बल्कि पूरे परिवार की आजीविका में भी बड़ा सहारा बन रहा है। किसान गोरेलाल राजवाड़े ने सुचारू, पारदर्शी एवं किसान हितैषी धान खरीदी व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

### एसआईआर में संदिग्ध नामों पर होगी सख्त कार्रवाई : विजय शर्मा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के संशोधन के लिए संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान पाये गए संभावित फर्जी प्रविष्टियों और संदिग्ध नामों के पाए जाने को लेकर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सख्त संदेश दिया है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और हर संदिग्ध प्रविष्टि की सख्त जांच और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी।

उपमुख्यमंत्री शर्मा ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा कि 2003 के मूल रिकॉर्ड में जिन व्यक्तियों का कोई पारिवारिक सदस्य, ब्लड रिलेशन या पारिवारिक उपस्थिति दर्ज ही नहीं थी, ऐसे नाम अब अचानक कैसे आ गए, इसकी पूरी गहराई से जांच की जाएगी। जो भी व्यक्ति पहले से यहां रहते आये हैं उनका नाम 2003 की एसआईआर की सूची में अवश्य होगा या उसके परिजनों, रिश्तेदारों की उपस्थिति का जरूर कोई ना कोई रिकॉर्ड होगा और यदि नहीं है तो उनके मूल निवास के संबंध में जांच करने के साथ उनके विरूद्ध विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत नियमानुसार कार्रवाई भी की जाएगी।

उन्होंने यह भी कहा कि एसआईआर एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है देश के संसाधनों पर देश के लोगों का अधिकार है ऐसे में कोई अवैध रूप से देश में प्रवेश कर हमारे नागरिकों के अधिकारों में सेंध लगाने का प्रयास करता है तो उसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे बताया कि शासन एसआईआर के लिए बिल्कुल स्पष्ट है। यदि मतदाता सूची में किसी के नाम फर्जी तरीके से जोड़े गए हैं, दस्तावेज़ों में गंभीर विसंगतियाँ हैं, पारिवारिक संबंध साबित नहीं होते, निवास प्रमाण झूठे या संदिग्ध हैं तो ऐसे व्यक्तियों पर बिना किसी देरी के कड़ी वैधानिक कार्रवाई होगी। इसके लिए अवैध प्रवासी अधिनियम, विदेशी अधिनियम आदि के तहत कठोर धाराओं के प्रावधानों के अनुसार मुकदमा दर्ज किया जाएगा और दोषी पाए जाने पर उन्हें जेल भेजने में भी कोई हिचक नहीं होगी।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मतदाता सूची को स्वच्छ, सटीक और विश्वसनीय बनाने के लिए एसआईआर एक पवित्र और आवश्यक प्रक्रिया है। इसके लिए सभी आगे आएं और अपने बीएलओ से संपर्क कर अपना फॉर्म भरें। चुनाव आयोग द्वारा सभी को स्वयं का ऑनलाइन फार्म भरने का भी विकल्प प्रदान किया है, जिसको हमारे युवाओं को प्रयोग अवश्य करना चाहिए। जो देश के वैध नागरिक हैं उन्हें इस प्रक्रिया से कोई डर नहीं होना चाहिए शासन - प्रशासन आपकी सहायता के लिए सदैव तत्पर हैं और सभी बीएलओ लगातार बिना रूके आपकी सुविधा के लिए कार्य कर रहे हैं।

केवल अवैध प्रवासी और घुसपैठियों को डर लगना चाहिए और हमनें पड़ोसी देश की सीमाओं में देखा है कि कैसे लोग अब अपने देश को लौट रहे हैं। देश घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं करेगा यह देश भारतीयों का है कोई दूसरे देश से आकर हमारे देश के लोगों के अधिकारों और संसाधनों को नहीं छीन सकता है और हमारे देश में आकर कोई दहशत या आतंक फैलाये ये हम बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे।

### एमिटी यूनिवर्सिटी छात्रों ने सुधा ओपन स्कूल में मनाई सरदार पटेल की 150वीं जयंती

**रायपुर।** एमिटी यूनिवर्सिटी के बीए इकोनॉमिक्स ऑनर्स (सेकंड ईयर, तृतीय सेमेस्टर) के छात्रों ने सामाजिक संस्था सुधा सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा संचालित सुधा ओपन स्कूल, आमसेओनी, रायपुर के प्रांगण में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के दो वर्षीय समारोह में भाग लिया। यह आयोजन 31 अक्टूबर 2026 तक चल रहा है। इस कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा एमिटी के छात्रों ने ही तैयार की थी। कार्यक्रम का संचालन सुधा सोसाइटी के चेयरमैन गोपाल कृष्ण भटनागर ने किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सरदार पटेल के जीवन, कार्य और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। भटनागर ने बताया कि एमिटी यूनिवर्सिटी रायपुर के छात्रों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रायपुर दौरे (28 से 30 नवंबर) के उपलक्ष में सरदार पटेल के प्रति एकता और सम्मान व्यक्त करने के लिए यह दिन चुना। छात्रों ने एक ऐसी सामाजिक संस्था की खोज की जो जमीनी स्तर पर काम कर रही हो और इस प्रक्रिया में उन्होंने सुधा सोसाइटी को चुना, जिसे संस्था के लिए गर्व की बात बताया गया।

**12 छात्रों की टीम ने संभाली जिम्मेदारी**- कार्यक्रम में शामिल एमिटी यूनिवर्सिटी के छात्र समूह में अंजन पांडे, मोहिनी साहू, अक्षत शर्मा, प्रियांश राठौड़, साक्षी कौशिक, सत्यम झा, जान्हवी पटेल, आर्य शर्मा, कार्तिके अग्रवाल, रितिका शाह और दिशा सारदे शामिल थे। स्कूल के बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर मेहमानों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। साथ ही सरदार पटेल के जीवन और योगदान पर आधारित क्विज प्रतियोगिता भी कराई गई। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सोशल वर्कर मीना शर्मा और केंद्रीय विद्यालय के पूर्व प्राचार्य विनोद गुप्ता उपस्थित रहे। स्पेशल गेस्ट के रूप में आशी शर्मा भी शामिल रहीं। सभी अतिथियों ने प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को पुरस्कार वितरित किए।

# सख्त मॉनिटरिंग का असर—धमतरी में धान खरीदी तेज रफ्तार पर

**रायपुर।** धमतरी जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन पूरी पारदर्शिता, सुगमता और मजबूत प्रशासनिक निगरानी के साथ सुचारू रूप से जारी है। जिले की 74 प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों एवं आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के अंतर्गत संचालित 100 उपार्जन केन्द्रों में कुल 1,27,851 किसानों द्वारा 1,19,541.09 हेक्टेयर रकबा पंजीकृत किया गया है, जिनमें 76,046 सीमांत, 49,493 लघु और 2,312 दीर्घ किसान शामिल हैं।

**तेज़ी से हो रही खरीदी, किसानों को हर दिन भुगतान**- 15 से 28 नवम्बर 2025 के बीच 17,580 किसानों से 81,704.52 मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। खरीदी गई उपज का कुल मूल्य 193.86 करोड़ रुपये है, जिसका निर्वहन प्रतिदिन नियमित रूप से किसानों के खातों में किया जा रहा है।

**100 केन्द्रों पर नोडल अधिकारी—व्यवस्था और पारदर्शिता पर पैनी नजर**- जिले ने खरीदी व्यवस्था को मजबूत करने प्रत्येक उपार्जन केंद्र पर जिला स्तरीय नोडल अधिकारियों की ड्यूटी लगाई है। अधिकारी हर सप्ताह स्थल निरीक्षण कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित और किसानों के अनुकूल रहे।

**कोचियों पर नकेल—अवैध भंडारण व परिवहन पर बड़ी कार्रवाई**- अवैध धान भंडारण एवं परिवहन पर रोक के लिए राजस्व, कृषि, खाद्य, सहकारिता और मंडी विभाग का संयुक्त उड़नदस्ता दल सक्रिय है। उड़ीसा सीमा से सटे बोराई (घुटकेल), बांसपानी, बनरौद और सांकरा चेकपोस्ट पर 24म7 निगरानी की व्यवस्था की गई है।अब तक अवैध परिवहन/भंडारण के 28 प्रकरण दर्ज, कुल 1,253 मीट्रिक टन धान और दो वाहन जप्त किए गए हैं। कार्रवाई निरंतर जारी है।

**कस्टम मिलिंग में गति**- विपणन वर्ष 2024-25 में अर्जित धान की मिलिंग हेतु जिले में 102 राइस मिलों का पंजीयन हुआ है। इनमें से 55 मिलों को 2,51,552 मीट्रिक टन धान उठाव की अनुमति दी गई है, जबकि 1,99,248 मीट्रिक टन का अनुबंध पूरा किया जा चुका है।

**शिकायतों के लिए कमांड एंड कंट्रोल सेंटर सक्रिय**- कलेक्टोरेट के कक्ष क्रमांक 11 में जिले का कमांड एवं कंट्रोल सेंटर स्थापित है। अभी तक प्राप्त 17 में से 14 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है तथा शेष 3 पर कार्यवाही जारी है।

# महिला स्व-सहायता समूह की मेहनत रंग लाई, मछली पालन और सिंघाड़ा खेती से बढ़ी आमदनी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में स्व-सहायता समूह उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के सहयोग से गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला के जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम कोटमीकला की गोडवाना महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं मछली पालन और सिंघाड़ा की खेती के माध्यम से आय का मजबूत स्रोत विकसित कर 'लखपति दीदी' बनने की ओर अग्रसर हैं। समूह ने आजीविका गतिविधि के रूप में पिछले वर्ष ग्राम पंचायत से 5 हजार रुपए वार्षिक ठेके पर तालाब लिया था। केवल 2 हजार रुपए के मछली बीज का उपयोग कर महिलाओं ने एक ही सीजन में 18 हजार रुपए से अधिक की मछली बेचकर आर्थिक लाभ प्राप्त किया। इसके बाद महिलाओं ने इसी तालाब में सिंघाड़ा की खेती शुरू की, जिसने उनकी आय में उल्लेखनीय बढ़ोतरी की है। अब तक महिलाएं 15 से 20 हजार रुपए मूल्य का सिंघाड़ा बेच चुकी हैं, जबकि लगभग

70 से 80 हजार रुपए का सिंघाड़ा वर्तमान में तैयार है और इसे लगातार निकालकर बेचा जा रहा है। समूह की सदस्य श्रीमती चमेली बाई ने बताया कि महिलाएं अपने खाली समय में अगरबत्ती निर्माण भी करती हैं और स्थानीय हाट-बाजारों एवं दुकानों में आपूर्ति कर अतिरिक्त आमदनी अर्जित कर रही हैं। ग्राम कोटमीकला में बिहान के तहत स्थापित आजीविका सेवा केंद्र से कृषि, पशुपालन और अन्य आय-वर्धक गतिविधियों के लिए समूह की महिलाओं को निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन मिल रहा है। मेहनत, सामूहिक प्रयास और मिशन के सहयोग से महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता का नया अध्याय लिख रही हैं।

# सुरक्षित लेनदेन और साइबर सुरक्षा वित्तीय साक्षरता

**रायपुर।** साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी की घटनाएँ तेजी से बढ रही है। इस प्रकार की धोखाधडी से बचाव के लिए बलौदाबाजार -भाटापारा की पहल पर जिला-स्तरीय अर्थशाला(फाइनेंस लैब)। यह फाइनेंस लैब आम नागरिकों को साइबर खतरों से बचाव, आधुनिक वित्तीय प्रणाली, सुरक्षित लेनदेन के तरीके, डिजिटल बैंकिंग के उपयोग से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। जिला फाइनेंस लैब पण्डित चक्रपाणि शुक्ल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बलौदाबाजार में 2 नवम्बर 2025 से संचालित है।

**730 युवा फाइनेंस लैब से जुड़े** - वर्तमान समय में साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी की घटनाएँ तेजी से बढ़ रही हैं। आम नागरिकों को इन खतरों से बचाने और उन्हें वित्तीय रूप से जागरूक बनाने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में कलेक्टर बलौदाबाजार -भाटापारा

की पहल पर एक महीने से भी कम समय में लगभग 730 युवा इस फाइनेंस लैब से जुड़ चुके हैं, जो इसकी सफलता को परिलक्षित करता है। इस लैब के माध्यम से वित्तीय अवधारणाओं को समझने और सुरक्षित एवं जिम्मेदार वित्तीय व्यवहार विकसित करने के प्रति युवाओं में रुचि बढ़ी है।

**फाइनेंस लैब की मुख्य उद्देश्य युवाओं को व्यावहारिक वित्तीय शिक्षा से है जोड़ना** - फाइनेंस लैब का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को व्यावहारिक वित्तीय शिक्षा से जोड़ना है। आज के समय में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है- वित्तीय साक्षरता और व्यावहारिक समझ भी उतनी ही आवश्यक है। इसी सोच के साथ फाइनेंस लैब को इस प्रकार तैयार किया गया है कि छात्र, युवा और जिले के नागरिक खेलों, गतिविधियों और नवाचार आधारित प्रशिक्षण के माध्यम से वित्तीय अवधारणाओं को आसानी से सीख सकें। फाइनेंस लैब की अवधरणा- यह एक ऐसा समर्पित स्थान या प्लेटफॉर्म है जो छात्रों, निवेशकों या आम जनता को वास्तविक जीवन के वित्तीय परिदृश्यों और उपकरणों के साथ अभ्यास करने का अवसर देता है।

71.12 लाख रुपये के तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण और 1.21 करोड़ रुपये के हायर सेकंडरी स्कूल भवन का हुआ शिलान्यास

# प्रदेश में हो रहे चहुमुखी विकाश का हर वर्ग को मिल रहा है लाभ-मंत्री श्री टंक राम वर्मा

**रायपुर।** राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने आज बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के नगर पंचायत टुण्ड्रा में विकास का नया अध्याय लिखा। इस अवसर पीकर उन्होंने करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। टुण्ड्रा के हायर सेकंडरी स्कूल खेल मैदान में आयोजित भव्य समारोह में उन्होंने 71.12 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। इसके साथ ही 1 करोड़ 21 लाख रुपये की लागत से बनने वाले हायर सेकंडरी स्कूल भवन का भी शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश में चहुमुखी विकाश हो रहा है इसका लाभ हर वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य के किसान, महिला, युवा और व्यापारी सभी वर्गों में सरकार की योजनाओं से उत्साह और संतोष का माहौल है। मंत्री ने कहा कि ये निर्माण कार्य क्षेत्र की प्रशासनिक क्षमता, शिक्षा व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को और मजबूती प्रदान करेंगे। मंत्री श्री वर्मा ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर तहसील कार्यालय परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण की घोषणा भी की।

इस अवसर पर सांसद जांजगीर-चांपा श्री कमलेश जांगड़े, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल, बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे, पूर्व विधायक डॉ. सनम जांगड़े सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और नगरवासी उपस्थित रहे।

## संपादकीय

# लागत बनाम लाभ

अपेक्षित यह है कि सरकार खाड़ी, पश्चिम एशिया और रूस जैसे स्रोतों से एलपीजी की खरीदारी पर आने वाली लागत और अमेरिका से खरीदारी पर आने वाले खर्च का तुलनात्मक विवरण सार्वजनिक करे। देशवासियों को यह जानने का हक है। अमेरिका से 22 लाख टन रसोई गैस खरीदने के लिए हुए सौदे को पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने 'ऐतिहासिक' करार बताया और कहा कि देश की जनता को 'किफायती' दर पर सप्लाई करने के मकसद से एलपीजी खरीदारी का एक नया स्रोत हासिल किया गया है। स्पष्टत: उन्होंने इसे नरेंद्र मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश किया। लेकिन हकीकत यह है कि ये फैसला अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता की मोदी सरकार की बेकरारी की मिसाल है। खुद सरकारी सूत्रों ने कहा है कि इससे अमेरिका के व्यापार घाटे को पाटने में मदद मिलेगी, जो व्यापार समझौते के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की शर्त है। इसके अलावा खबर है कि भारत सरकार अमेरिका से सोयाबीन और कुछ अन्य कृषि उत्पादों को खरीदने पर भी तैयार हो सकती है। बहरहाल, गौरतलब है कि एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोई कमी नहीं है। भारत अब तक अपनी जरूरत अन्य स्रोतों से पूरी करता रहा है। अमेरिकी कंपनियों की तुलना में उन स्रोतों को इसलिए तरजीह मिली है, क्योंकि उनसे खरीदना भारत को किफायती पड़ता है। धारणा यह है कि अमेरिकी गैस अपेक्षाकृत महंगी होती है और उसे लाने की परिवहन लागत भी ज्यादा बैठती है। इसलिए हरदीप पुरी का दावा सहज ही देशवासियों के गले नहीं उतरेगा। अपेक्षित यह है कि सरकार खाड़ी, पश्चिम एशिया और रूस जैसे स्रोतों से खरीदारी पर आने वाली लागत और अमेरिका से खरीदारी पर आने वाले खर्च का तुलनात्मक विवरण देश के सामने प्रस्तुत करे। ताजा करार के मुताबिक अमेरिका से एलपीजी की खरीदारी पब्लिक सेक्टर की कंपनियां करेंगी। यानी जो भी खर्च आएगा, वह करदाताओं की जेब से चुकाया जाएगा। अत: देश को जानने का हक है कि मोदी सरकार की विदेश नीति संबंधी प्राथमिकताओं को पूरा करने का कितना आर्थिक बोझ उन पर आएगा। आने वाले दिनों में लागत बनाम लाभ के ऐसे ही सवाल कृषि पैदावार की खरीदारी (अगर हुई तो) के संबंध में उठेंगे। प्रश्न यह भी पूछा जाएगा कि ये सारी कीमत चुकाने के बदले व्यापार एवं भू-राजनीति में भारत को क्या हासिल हो रहा है?

# श्रीराम मन्दिर ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की बौखलाहट

**ललित गर्ग**

पाकिस्तान की भारत-निंदा की आदत कोई नई नहीं है; यह उसकी कूटनीति एवं संकीर्ण सोच का स्थायी चरित्र बन चुकी है। ऐसा शायद ही कोई अवसर हो जब भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती साख और सांस्कृतिक उन्नयन का प्रभावी दृश्य उभरे और पाकिस्तान उसमें संकुचित मानसिकता से भरी त्रासद टिप्पणियां न करे, विरोध का वातावरण न बनाए या अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अनर्गल आरोपों का पुलिंदा न खोले। हाल ही में अयोध्याजी में श्रीराम मंदिर पर हुए ध्वजारोहण समारोह को लेकर उसकी बौखलाहट इसी मानसिक दिवालियापन का ताज़ा उदाहरण है। भारतीयता के स्वाभाविक सद्भाव में सेंध लगाने का कोई अवसर पाकिस्तान हाथ से नहीं जाने देता। यह केवल एक धार्मिक समारोह नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, सभ्यता-स्मृति और सांस्कृतिक स्वाभिमान का वह क्षण था जिसने पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया। पाकिस्तान ने इस ऐतिहासिक घटना का विरोध ही नहीं किया बल्कि इसे संयुक्त राष्ट्र तक ले जाकर शिकायत की, जैसे उसे भारत के हर आंतरिक मामले में बाधा डालना ही अपनी कूटनीतिक जिम्मेदारी समझ में आता हो। इससे पहले भी उसने राम मंदिर निर्माण के अवसर पर अनर्गल विरोध दर्ज कराया था। यह उसका वह ढर्रा है जो भारत के सांस्कृतिक उत्थान एवं उन्नयन की किसी भी झलक को देखकर सहन नहीं कर पाता।

पूरे कुतर्क एवं कुचेष्टाओं के साथ अपने बयान में पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने आरोप लगाया है कि श्रीराम मन्दिर का ध्वजारोहण भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर दबाव बनाने की व्यापक प्रवृत्ति का परिणाम है। वैसे, दुनिया जानती है कि किस देश में अल्पसंख्यक ज्यादा दबाव में हैं। आज के समय में पाकिस्तान में बमुश्किल 50 लाख हिंदू बचे हैं, अन्य अल्पसंख्यक सिख और ईसाई तो न के बराबर हैं। पश्चिमी पाकिस्तान में बंटवारे से पहले करीब 15 प्रतिशत हिंदू रहा करते थे, पर बंटवारे के बाद हिंदुओं की संख्या 2 प्रतिशत के आसपास आ सिमटी। दूसरी ओर, भारत में 20 करोड़ से ज्यादा मुस्लिम हैं, इनकी संख्या अन्य अल्पसंख्यकों के साथ तेजी से बढ़ रही है। पाकिस्तान की ओर से यह फिजूल टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब पाकिस्तान खुद लंबे समय से हिंदुओं, ईसाइयों और अहमदिया मुसलमानों सहित दूसरे धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफहिंसा का केंद्र बना हुआ है। संयुक्त राज्य अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अनुसार, 2025 की

पहली छमाही में पूरे पाकिस्तान में ईसाइयों और हिंदुओं के खिलाफहिंसा व उत्पीड़न जारी रहा है।

सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली कहावत के अनुसार पाकिस्तान की यह दखलअंदाजी केवल अस्वीकार्य ही नहीं, बल्कि उसकी दोहरी मानसिकता और पाखंडी चरित्र को भी उजागर करती है। विडंबना यह है कि जो देश स्वयं अपने ही नागरिकों को सुरक्षित रखने में असमर्थ है, जो अपने ही अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों का हनन करता रहा है, वह भारत में मुसलमानों के अधिकारों की चिन्ता में रातभर जागने का अभिनय कर रहा है। वह देश, जहां हिंदुओं की आबादी 1947 से लेकर आज तक लगभग समाप्त होने की कगार पर पहुँच चुकी है, जहां सिखों पर अत्याचार के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं, जहां ईसाइयों की प्रार्थना सभाओं को अक्सर हिंसा का निशाना बनाया जाता है, वह भारत में अल्पसंख्यक अधिकारों पर प्रवचन देने का नैतिक अधिकार कैसे प्राप्त कर सकता है? पाकिस्तान की विश्वसनीयता इतनी क्षतिग्रस्त हो चुकी है कि उसकी हर शिकायत एक राजनीतिक नौटंकी से अधिक कुछ नहीं रह जाती।

पाकिस्तान के इस व्यवहार के पीछे भारत के बढ़ते आत्मविश्वास, उभरती वैश्विक प्रतिष्ठा और मजबूत होती राष्ट्र-चेतना का भय साफ दिखाई देता है। भारत आज जिस तेज़ी से विश्व राजनीति में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है, उसकी आर्थिक शक्ति जितनी तेज़ी से बढ़ रही है और जिसके सांस्कृतिक और सभ्यतागत विमर्शों को वैश्विक स्तर पर सम्मान मिल रहा है, वह पाकिस्तान की बेचैनी का मूल कारण है। पाकिस्तान यह समझ चुका है कि भारत केवल राजनीतिक या आर्थिक शक्ति के रूप में ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में भी उभर रहा है। अयोध्या में राम मंदिर का पुनर्निर्माण और इसके साथ जुड़ी सांस्कृतिक चेतना भारतीय समाज के भीतर एक नई एकता, नई ऊर्जा और एक नए आत्मसम्मान का निर्माण कर रही है। यही वह शक्ति है जिसे पाकिस्तान सबसे अधिक डरता है क्योंकि एक आत्मविश्वासी, एकजुट और संस्कृति-प्राण भारत उसकी कट्टरपंथी राजनीति और भारत-विरोधी साजिशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

पाकिस्तान की ओर से जो 'बुकलेट्स' और 'शिकायतें' अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पेश की जाती हैं, वे वस्तुत: उसकी असफल विदेश नीति का प्रमाण-पत्र हैं। एक ऐसा देश, जो आज आर्थिक दिवालियापन, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की जड़ों में स्वयं फंसा हुआ है, वह भारत के आंतरिक धार्मिक आयोजनों को राजनीतिक संकट बनाने का हास्यास्पद प्रयास करता है। उसका यह व्यवहार न केवल हस्तक्षेपकारी है, बल्कि उकसाने वाला भी है। भारत इन सब निराधार आरोपों को न केवल तथ्यात्मक रूप से खारिज करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर हर मंच पर सटीक जवाब देने की तैयारी भी रखता है। भारत की नीति स्पष्ट है, वह किसी भी देश के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देता, परंतु अपने आंतरिक मामलों पर किसी की दखलंदाजी भी स्वीकार नहीं करता। भारत की आंतरिक नीतियाँ संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था से संचालित होती हैं। यहां का अल्पसंख्यक समुदाय किसी भी अन्य समुदाय की तरह समान अधिकारों का उपभोग करता है। भारत की भूमि पर हर धर्म, पंथ और विचारधारा को समान रूप से सम्मान मिलता है। यह विविधता और समभाव वाला देश है जहाँ मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और चर्च केवल स्थापत्य संरचनाएँ नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के बहुरंगी फूल हैं। पाकिस्तान की एकरंगी धार्मिक नीति और कट्टरपंथी दबदबा इसे समझ नहीं पाता, इसलिए वह भारत के धार्मिक आयोजनों पर आपत्ति जताकर अपनी ही सीमित सोच को उजागर करता है।

भारत ने हर चुनौती, हर आरोप और हर उत्तेजक बयान का शांतिपूर्ण और तथ्याधारित उत्तर दिया है। यह संयम उसकी शक्ति भी है और संस्कृति भी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि भारत किसी उकसाने वाले कदम को नजरअंदाज करेगा। समय-समय पर भारत ने यह दिखाया है कि वह केवल सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामरिक, कूटनीतिक और आर्थिक स्तर पर भी पर्याप्त सक्षम है। पाकिस्तान यह भलीभांति जानता है कि भारत अब इक्कीसवीं सदी का भारत है-आत्मनिर्भर, जागृत, संगठित और विश्व-मान्य शक्ति। अयोध्या में राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल का पुनर्निर्माण नहीं, बल्कि भारत की आत्मा से जुड़े सांस्कृतिक पुनर्जागरण की गूंज है। इसे कोई अंतरराष्ट्रीय मंच कमतर नहीं कर सकता। पाकिस्तान चाहे कितनी भी शिकायतें कर ले, कितने भी बयान जारी कर दे, या कितनी भी झूठी कहानियां गढ़ ले, भारत की सांस्कृतिक चेतना का उभार अविराम है और यह आगे भी नए आयाम स्थापित करता रहेगा।सच यह है कि पाकिस्तान की यह बौखलाहट उसकी पराजित मानसिकता का परिचायक है। भारत की बढ़ती शक्ति, बढ़ती प्रतिष्ठा और उभरती सांस्कृतिक पहचान उसके लिए सबसे बड़ा संकट है। लेकिन भारत का रास्ता स्पष्ट है-वह आगे बढ़ेगा, अपनी सभ्यता को सशक्त करेगा, अपनी संस्कृति को विश्व-पटल पर स्थापित करेगा और किसी भी अनर्गल हस्तक्षेप का दृढ़ता से सामना करेगा। पाकिस्तान चाहे कितने ही मोर्चों पर खतरा बने, भारत हर मोर्चे पर उत्तर देने में सक्षम है-साहस से भी, और संस्कार से भी।

# एक राष्ट्रीय संकल्प: संपूर्ण सरकार और समाज साझा रूप से बाल विवाह मुक्त भारत की ओर अग्रसर

**अन्नपूर्णा देवी**

एक ऐसे देश में जहाँ महिलाएँ और बच्चे एक अरब से ज़्यादा जीवनों का आधार हैं, उनका सशक्तिकरण महज़ एक नीतिगत विकल्प नहीं है, बल्कि यह भारत की नियति का मार्ग है। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी शासन में, भारत एक ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, जो वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को मानव-केंद्रित प्रगति के साथ जोड़ रहा है। नए भारत की कहानी केवल आर्थिक उपलब्धियों और बढ़ते वैश्विक कद में ही नहीं, बल्कि उन कक्षाओं में भी आकार ले रही है, जहाँ युवा मन विकसित होते हैं, उन आंगनवाड़ी केंद्रों में जहाँ हमारे बच्चों का पालन-पोषण होता है, और उन घरों में जहाँ आकांक्षाएँ पनपती हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के प्रति प्रधानमंत्री की अटूट प्रतिबद्धता, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के लिए एक मार्गदर्शक शक्ति बन गई है, जो विकसित भारतञ्च2047 के लिए हमारे सामूहिक मिशन को भी आगे बढ़ा रही है। इसी सफर में एक अहम पड़ाव पिछले वर्ष 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान शुरू हुआ है।

अपनी साहसिक और अटल दृष्टि के साथ, हमने वर्ष 2030 तक बाल विवाह को खत्म करने की अपनी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक बार फिर दोहराई है, ताकि हर बालिका और बालक सुरक्षित रूप से बड़े हो सकें, अपनी शिक्षा जारी रख सकें और गर्व तथा आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को आकार दे सकें। शुरू से ही, हमने संपूर्ण सरकार और संपूर्ण समाज के नज़रिए को अपनाया है, लिहाज़ा हम मानते हैं कि इस चुनौती का हल महज़ नीतियों से नहीं किया जा सकता। इसके लिए सामूहिक एकता की ज़रुरत है, जिसमें परिवार, समुदाय, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, संस्थान और सरकार कंधे से कंधा मिलाकर, सदियों पुरानी प्रथा को तोड़ने और हर बच्चे की आकांक्षाओं की रक्षा करने के लिए एक साथ खड़े हों। हमारे साझा संकल्प के एक शक्तिशाली प्रतिबिंब के रूप में, गाँवों और कस्बों के करोड़ों लोग बाल विवाह को समाप्त करने का संकल्प लेने के लिए आगे भी आए हैं।

**बाल विवाह मुक्त भारत के लिए पूरी सरकार एकजुट**- बाल विवाह हमारे देश में पीढ़ियों से चली आ रही सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। यह अक्सर उन समुदायों में दिखती है, जहाँ शिक्षा, संसाधनों और जागरूकता की सीमित पहुँच है। अभाव और असमान अवसरों के कारण पैदा हुई ये कमियाँ, इस प्रथा को जारी रखने में मदद करती हैं, जिससे अनगिनत बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य को साकार करने से वंचित रह जाते हैं।

**वर्तमान में बेहतरी के लिए प्रयास:** मोदी सरकार के तहत, हम उन जड़ों को खत्म कर रहे हैं, जिन्होंने कभी इस प्रथा को पोषित किया था। स्पष्ट नीतिगत दिशा, विचार विमर्श कर तैयार की गई योजनाओं और शासन में समुदायों के नए विश्वास के साथ, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय उन परिस्थितियों को खत्म करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जिनके कारण बाल विवाह की प्रथा अब तक जारी रही। आज हम जो प्रगति देख रहे हैं, वह सुनियोजित ढंग से तैयार की गई योजनाओं की वजह से हैं, जिनके तहत महिलाएं और बच्चे राष्ट्रीय विकास के केंद्र में हैं। हमारी नीतियां और पहल, संवेदनशील कारणों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि हर अधिकार, देश के सबसे दूरस्थ गाँव और बस्तियों में सबसे कमजोर बच्चे के जीवन पर सकारात्मक असर डालते हुए अंतिम छोर तक पहुँचे।

# भारत के कामगारों के लिए नया सवेरा: आधुनिक और दूरदर्शी दौर की शुरुआत हैं नए लेबर कोड

**सुश्री वीनू जयचंद**

भारत आज़ादी के बाद होने वाले सबसे बड़े श्रम सुधारों में से एक के करीब है। चार नई श्रम संहिताएं- वेतन संहिता (वेज़ कोड), इंडस्ट्रियल रिलेशन्स कोड, सोशल सिक्योरिटी कोड और ऑक्युपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड- अब लागू हो चुके हैं। इन संहिताओं का उद्देश्य पुराने और जटिल 29 केंद्रीय मज़दूरी क़ानूनों की जगह एक सरल, तकनीक-आधारित और मज़दूर-केंद्रित व्यवस्था स्थापित करना है। यह सुधार सिर्फ़ प्रशासनिक बदलाव नहीं है, बल्कि एक बड़ा संरचनात्मक परिवर्तन है, जो यह दिखाता है कि भारत एक न्यायपूर्ण, प्रतिस्पर्धी, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप कार्यबल प्रणाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। यही प्रणाली आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार देती है।

**बिखराव से एकरूपता तक** - कई दशकों तक भारत में मज़दूरी कानून बहुत बिखरे हुए और एक-दूसरे से ओवरलैप करते रहे। इससे उद्योगों पर भारी नियमों का बोझ पड़ा और अनुपालन करना मुश्किल हो गया। केंद्र और राज्य के अलग-अलग क़ानूनों के तहत कई तरह के पंजीकरण, लाइसेंस और निरीक्षणों ने लागत बढ़ाई, मज़दूरों के कल्याण से ध्यान हटाया और अक्सर उद्योग और सरकार के बीच अविश्वास पैदा किया। क़ानूनों के बिखराव और अस्पष्टता के कारण लागू करने की प्रक्रिया भी कमजोर रही, जिससे एण्डक्यूयूओटी;इंस्पेक्टर राजएण्डक्यूयूओटी; जैसे मनमाने तरीके पनपे और पारदर्शिता कमज़ोर हुई।

नई मज़दूरी संहिताएं पूरे देश में परिभाषाओं और अनुपालन नियमों को एक जैसा बनाती हैं। इसके साथ ही एण्डक्यूयूओटी;वन नेशन, वन लेबर लॉएण्डक्यूयूओटी; का सिद्धांत लागू होता है। इससे नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को स्पष्ट, सरल और न्यायपूर्ण प्रक्रियाओं का फायदा मिलता है। एकीकृत पंजीकरण और डिजिटल व्यवस्था से दोहराव खत्म होता है, प्रक्रियाएं तेज होती हैं और जवाबदेही मजबूत होती है। वेतन, लाभ और कामकाजी परिस्थितियों की एक जैसी परिभाषाएँ पूरे भारत में लागू होंगी, जिससे विवाद कम होंगे और नियमों का पालन आसान और एकसमान होगा। सीधे शब्दों में, नई मज़दूरी संहिताएं पुराने, जटिल, औपनिवेशिक ढांचे को हटाकर एक सरल, प्रभावी व्यवस्था लाती हैं जो नवाचार, रोजगार सृजन और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देती है।

**सामाजिक सुरक्षा केंद्र में**- मज़दूरी संहिताओं की सबसे बड़ी विशेषता सामाजिक सुरक्षा का बड़ा विस्तार और सुधार है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज 2015 में लगभग 19 प्रतिशत आबादी से बढ़कर 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जो लगभग 94 करोड़ लोगों को शामिल करता है। नई मज़दूरी संहिताएं इस प्रगति को आगे बढ़ाते हुए, श्रम कानूनों के केंद्र में सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा को मजबूत रूप से स्थापित करती हैं। देशभर में न्यूनतम फ्लोर वेतन की व्यवस्था और सभी कर्मचारियों को अनिवार्य नियुक्ति पत्र देने जैसे प्रावधान आय सुरक्षा को बढ़ाते हैं, श्रमिकों के औपचारिकरण को आसान बनाते हैं और पूरे मज़दूर बाज़ार में न्याय और समानता को प्रोत्साहित करते हैं।

**बदलती कामकाज की दुनिया को पहचानना**- नई संहिताएं मानती हैं कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में कामकाज का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, जहां गिग और प्लेटफ़ॉर्म पर काम करने वाले श्रमिकों की संख्या बढ़ रही है। पहली बार, ऐसे श्रमिकों को कानूनी पहचान दी गई है और उनके लिए खास सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है, जिसके लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म भी हिस्सा डालेंगे। राष्ट्रीय ई-श्रम पोर्टल गिग और असंगठित श्रमिकों को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जिससे वे अलग-अलग योजना लाभ आसानी से प्राप्त कर सकें और सामाजिक सुरक्षा को एक शहर से दूसरे या एक ऐप से दूसरे ऐप पर ले जा सकें। सोचिए, कोई डिलीवरी कर्मी बिना किसी परेशानी के शहर बदल ले या ऐप बदल ले, फिर भी उसकी सामाजिक सुरक्षा जारी रहे।

# यूएसए और चीन के बाद भारत एशिया की तीसरी प्रमुख सैन्य शक्ति बना

**कमलेश पांडे**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत अब यूएसए और चीन के बाद एशिया की तीसरी प्रमुख सैन्य शक्ति बन चुका है। यह पाकिस्तान और बांग्लादेश के लिए किसी सदमे की तरह है। वहीं उनके आका देश अमेरिका और चीन के लिए भी एक झटके की तरह है, क्योंकि आने वाले वर्षों में इन्हें भी बारी-बारी पूर्वक पीछे छोड़ेगा। यह बात मैं नहीं बल्कि एशियन पॉवर इंडेक्स 2025 के8 एक वार्षिक सूची बोल रही है जो एशिया में देशों की समग्र शक्ति को मापती है।

गौरतलब है कि इसमें आर्थिक, सैन्य, कूटनीतिक प्रभाव आदि आठ कैटेगिरी में देशों के संसाधन और प्रभाव का मूल्यांकन किया जाता है। इस सूची में भारत 40.0 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और इसे मेजर पावर यानी प्रमुख शक्ति घोषित किया गया है। भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए यह पायदान हासिल किया है, जबकि टॉप पर संयुक्त राज्य अमेरिका और दूसरे नंबर पर चीन हैं।

एपीआई के अनुसार, भारत की आर्थिक क्षमता, फ्यूचर रिसोर्सेज और राजनयिक प्रभाव में खासा सुधार हुआ है। भारत की सैन्य क्षमता में भी निरंतर सुधार के चलते उसकी क्षेत्रीय और ग्लोबल भूमिका मजबूत हुई है। वहीं, पाकिस्तान इस सूची में 16वें स्थान पर है और टॉप 10 में नहीं है। एशियाई पावर इंडेक्स लोवी इंस्टीट्यूट द्वारा जारी किया जाता है, जो एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों को देखता है और उनकी शक्ति संरचना का

आकलन करता है। यह इंडेक्स सिर्फ सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं है बल्कि कुल प्रभाव क्षमता को मापता है, जिसमें अर्थव्यवस्था, कूटनीति, रक्षा नेटवर्क, संस्कृति आदि शामिल हैं।

लोवी इंस्टीट्यूट एशिया पावर इंडेक्स 2025 को मापने के लिए आठ मुख्य मापदंडों का उपयोग किया जाता है: सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव, सांस्कृतिक प्रभाव, पुन:स्थापन क्षमता (रेजिलिएंस), भविष्य के संसाधन और अंतरराष्ट्रीय संबंध। कुल मिलाकर इसमें 30 उप-माप और 131 संकेतक शामिल हैं, जो किसी देश की व्यापक प्रभाव क्षमता का आंकलन करते हैं। यह इंडेक्स केवल सैन्य शक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह देशों की असली ताकत को उनके क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव, पड़ोसी देशों के साथ उनके रिश्ते, तकनीकी और व्यापारिक शक्तियों, और उनके भविष्य के विकास की संभावनाओं के हिसाब से मापता है।

इस इंडेक्स के अंतर्गत हर देश को 100 अंकों के पैमाने पर स्कोर दिया जाता है, जो यह दर्शाता है कि वे एशिया में कितना प्रभावशाली हैं। लोवी इंस्टीट्यूट इस सूचकांक को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 27 देशों पर लागू करता है और यह वार्षिक रिपोर्ट के रूप में प्रकाशित होता है। इस इंडेक्स के परिणाम से देशों के भू-राजनीतिक और आर्थिक स्थिति में बदलाव और उनकी क्षेत्रीय भूमिका का पता चलता है।

एशियन पॉवर इंडेक्स (एपीआई) के आठ माप निम्नलिखित हैं: पहला, सैन्य क्षमताङ्क इसमें देश की सैन्य ताकत, हथियार, सैन्य कर्मियों और रक्षा बजट को मापा जाता है। दूसरा, आर्थिक क्षमताङ्क देश की आर्थिक स्थिति, जीडीपी, मुद्रा रिजर्व, और अन्य आर्थिक संसाधनों का आकलन। तीसरा, रक्षा नेटवर्कङ्क क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य गठबंधनों और सहयोग को मापा जाता है। चतुर्थ, कूटनीतिक प्रभावङ्क अन्य देशों के साथ राजनयिक संबंध, द्विपक्षीय समझौते और वैश्विक मंच पर देश की भूमिका।पंचम, सांस्कृतिक प्रभावङ्क देश की संस्कृति, भाषा, मीडिया प्रसारण और अन्य सांस्कृतिक माध्यमों के प्रभाव को दिखाता है। षष्टम, पुन:स्थापन क्षमताङ्क प्राकृतिक आपदाओं, आर्थिक संकटों आदि का सामना करने की देश की सामर्थ्य। सप्तम, भविष्य के संसाधनङ्क शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान-प्रौद्योगिकी विकास और युवा आबादी की संभावना। अष्टम, अंतरराष्ट्रीय संबंधङ्क देश की विदेश नीति, व्यापार साझेदार और वैश्विक संगठनों में उसकी भागीदारी।

वस्तुत: ये आठ माप 30 उप-मापों और 131 संकेतकों के जरिए विस्तृत रूप से मूल्यांकन किए जाते हैं, जिससे किसी देश की समग्र शक्ति का आंकलन होता है। पूरे इंडेक्स का स्कोर 100 अंकों के पैमाने पर दिया जाता है, जिससे यह पता चलता है कि कोई देश एशिया में कितना प्रभावशाली है। एशियन पावर इंडेक्स के उपर्युक्त आठ मापों का भारत के कुल स्कोर पर महत्वपूर्ण प्रभाव होता है। भारत की सैन्य क्षमता, आर्थिक क्षमता, कूटनीतिक प्रभाव, और भविष्य के संसाधन जैसे माप उसकी पूरी ताकत को बढ़ाते हैं, जिससे भारत को बेहतर कुल स्कोर मिलता है।

उदाहरण के लिए, भारत की आर्थिक प्रगति और कूटनीतिक नेटवर्क में सुधार से इसकी रैंकिंग में मजबूती आई है। वहीं, पुन:स्थापन क्षमता और सांस्कृतिक प्रभाव जैसे माप भी भारत के क्षेत्रीय प्रभाव और वैश्विक छवि को मजबूत बनाते हैं। हालांकि, कुछ चुनौतियां जैसे प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने की क्षमता और संसाधनों का प्रभावी उपयोग भारत के स्कोर को सीमित भी कर सकता है। कुल मिलाकर, ये आठ माप मिलकर भारत की समग्र शक्ति और क्षेत्रीय भूमिका का आंकलन करते हैं, जो इस इंडेक्स में भारत के तीसरे स्थान पर आने का कारण हैं। इसलिए भारत की कुल रैंकिंग इन सभी क्षेत्रों में उसके प्रदर्शन का समग्र प्रतिबिंब होती है। भारत ने एशियन पावर इंडेक्स के आठ मापों में सबसे अधिक सुधार आर्थिक क्षमता के क्षेत्र में किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने पिछले दशक में वैश्विक औसत के मुकाबले लगभग 90ब्र की वृद्धि दर्ज की है, जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे उल्लेखनीय प्रगति है। यह सुधार भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी), निवेश, विनिर्माण, और सेवा क्षेत्र में तेज विकास की वजह से हुआ है। इस तेजी से बढ़ती आर्थिक ताकत ने भारत को एशिया में तीसरे स्थान पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सैन्य क्षमता और कूटनीतिक प्रभाव में भी भारत ने सकारात्मक सुधार दिखाया है, लेकिन आर्थिक प्रगति सबसे प्रमुख योगदानकर्ता रही है। वहीं, कुछ क्षेत्रों जैसे प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पुन:स्थापन क्षमता में अभी भी सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। कुल मिलाकर, आर्थिक मापों में भारत का मजबूत प्रदर्शन उसकी समग्र शक्ति और एशिया में प्रभाव बढ़ाने में सबसे बड़ा कारण है।

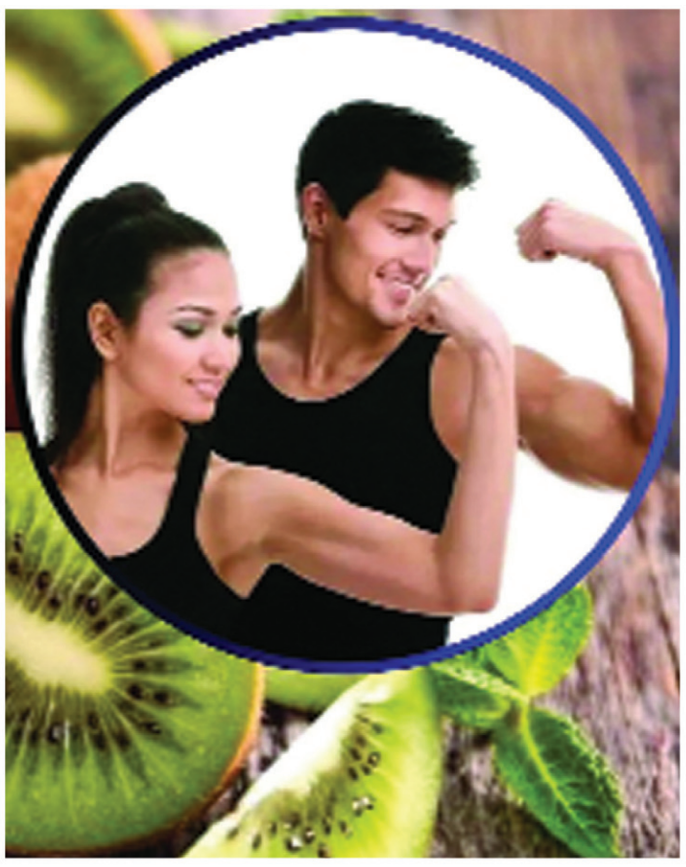

# शरीर के लिए लाभप्रद है खट्टी-मीठी कीवी

**फलों और सब्जियों के सेवन से स्वास्थ्य को जरूरी पोषक तत्व और विटामिन की पूर्ति होती है। ऐसा ही एक स्वादिष्ट फल हैं कीवी जिसे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद माना जाता हैं। कीवी में एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी, विटामिन सी, विटामिन बी, कैल्शियम, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, फॉस्फरोरस, कॉपर, जिंक, नियासिन, पोटैशियम, राइबोफ्लेविन, बीटा कैरोटीन आदि पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से कई गंभीर बीमारियों से रिकवरी करने में बहुत फायदा मिलता है।**

गर्भवती महिलाओं के लिए कीवी बहुत फायदेमंद फल है। कीवी में फोलेट की पर्याप्त मात्रा होती है, जो गर्भ में पल रहे शिशु के दिमागी विकास के लिए बहुत फायदेमंद मानी जाती है। गर्भावस्था के दौरान कीवी खाने से बच्चों में न्यूरल डिफेक्ट का खतरा कम होता है। इसके अलावा, गर्भवती महिलाओं को डिलीवरी के बाद भी कीवी का सेवन जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से उनमें डिलीवरी के बाद कमजोरी और खून की कमी दूर करने में मदद मिलती है।

## डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज के मरीजों के लिए कीवी का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। कीवी में मौजूद गुण डायबिटीज के मरीजों में ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में फायदेमंद माने जाते हैं। डायबिटीज के मरीज डॉक्टर की सलाह लेकर रोजाना कीवी का सेवन कर सकते हैं। इससे उनका पाचन तंत्र भी दुरुस्त रहता है।

## ब्लड क्लॉटिंग को रोके

कीवी के सेवन से शरीर में खून का थक्का जमने की दिक्कत भी नहीं होती है। इसमें एंटीथ्रोम्बोटिक यानी खून का थक्का न जमने देने का गुण मौजूद होता है, जिसकी वजह से स्ट्रोक, किडनी और हार्ट अटैक संबंधी दिक्कत का खतरा भी कम रहता है।

## हड्डियों का रखता है ख्याल

कीवी में विटामिन के भी मौजूद होता है, जो ओस्टियोट्रोपिक एक्टिविटी या नए बोन सेल्स के डेवलपमेंट में योगदान कर सकता है। इसमें मौजूद विटामिन ई, मैग्नीशियम और फोलेट सभी तत्व स्वास्थ्य को कई लाभ प्रदान करते हैं।

## कब्ज को दूर करे

कीवी फल, कब्ज को दूर करने में काफी मदद करता है। इसके सेवन से पुरानी से पुरानी कब्ज भी ठीक होने लगती है। यह गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, अपच जैसी पेट की दिक्कतों को भी ये दूर करता है। अगर आप भी लगातार कब्ज की बीमारी से परेशान हैं तो कीवी का फल आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। यह पेट साफ करने में भी मददगार है।

## हाई बीपी रहता है कंट्रोल में

कीवी में पोटेशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से हृदय स्वस्थ रहता है। साथ ही उच्च रक्तचाप कंट्रोल में रहता है। वहीं, फाइबर बढ़ते कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है। एक शोध में उच्च रक्तचाप के मरीजों को एक हफ्ते में 8 किवी खाने की सलाह दी गई है। इसके लिए रोजाना कीवी का सेवन जरूर करें।

## क्या आपका भी मिट्टी खाने का मन करता है

# पाइका के हो सकते हैं लक्षण

अक्सर आपने बच्चों एवं महिलाओं को बत्ती, चौक या मिट्टी खाते हुए देखा होगा। कई लोगों को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। साथ ही कई लोग इस आदत से परेशान भी होते हैं क्योंकि मिट्टी या चुना आपकी सेहत के लिए हानिकारक होता है। यह एक तरह की बीमारी होती है जिसे जियोफेजिया के नाम से जाना जाता है। वैसे मामूली स्थिति में मिट्टी खाने की क्रेविंग कैल्शियम की कमी के कारण होती है लेकिन इसके साथ यह एक बीमारी का भी लक्षण है।

### क्या है पाइका

दरअसल मिट्टी खाने का सीधा संबंध पाइका नाम की बीमारी से है। इस बीमारी में इंसान मिट्टी खाने से खुद को रोक नहीं पाता है। ऐसी स्थिति ज्यादातर प्रेग्नेंट महिलाओं में देखी जाती है। इस बीमारी में मिट्टी खाने की लत किसी चीज़ के नशे के सामान होती है। एक्सपर्ट के अनुसार पाइका एक ऐसी बीमारी होती है जिसमें व्यक्ति को उन पदार्थों को खाने की इक्छा होती है जो खाने लायक नहीं है। इस बीमारी का नाम एक पक्षी के नाम पर रखा गया है। पाइका एक ऐसे पक्षी का नाम है जो कुछ भी खा लेते हैं इसलिए इस बीमारी को पाइका कहा जाता है।

### इनकी कमी से होती है मिट्टी खाने की क्रेविंग

इसके साथ ही कई बार मिट्टी खाने का संबंध कैल्शियम की कमी से किया जाता है लेकिन यह एकमात्र ऐसा कारण नहीं है। आयरन की कमी के कारण भी मिट्टी या मिट्टी जैसे पदार्थों को खाने की इच्छा करती है। इस बीमारी में महिलाओं को मिट्टी खाने की बहुत क्रेविंग होती है। ऐसे में जब आप बार बार मिट्टी खाते हैं तो आपके पेट में बहुत सी समस्याएं हो सकती हैं।

### किडनी स्टोन की हो सकती हैं समस्या

बार बार मिट्टी खाने से आंतों में रुकावट होती है। साथ ही आपके लीवर पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आपको बता दें कि मिट्टी खाने वाले बच्चों और बड़ों के शरीर में सूजन की परेशानी होने लगती है। मिट्टी खाने की वजह से आपका डाइजेशन भी खराब होता है जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता है।

नीमिया की समस्या भी हो सकती है जैसा कि बताया कि आयरन की कमी के कारण भी आपको मिट्टी खाने की समस्या होती है। मिट्टी खाने से इंसान एनीमिया का भी शिकार हो जाता है क्योंकि शरीर में हीमोग्लोबिन हो जाता है। हीमोग्लोबिन कम होने से खून में ऑक्सीजन नहीं जा पाता इस वजह से एनीमिया हो जाता है।

# सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी है हल्दी पानी

**हल्दी का उपयोग हर किसी के घर में किया जाता है। हल्दी में एंटीइंफ्लेमेटरी, एंटीऑक्सीडेंट गुण मौजूद होते हैं। हल्दी का प्रयोग लगभग सभी प्रकार के खाने में किया जाता है। यह व्यंजनों के स्वाद में तो इजाफा करती ही है साथ ही इसमें अनेक औषधीय गुण भी होते हैं। यह गर्म और रूखी होती है। त्वचा, पेट और शरीर की कई बीमारियों में हल्दी का प्रयोग किया जाता है। हल्दी का सेवन पानी के साथ किया जाए, तो फायदे बढ़ जाते हैं। हल्दी का पानी सेहत और त्वचा दोनों के लिए लाभकारी होता है। जिन लोगों को बार-बार सर्दी-जुकाम और संक्रमण हो जाता है उन्हें अपनी डाइट में हल्दी के पानी को जरूर शामिल करना चाहिए।**

गुणकारी हल्दी के अलग-अलग लाभ उठाने के लिए आपको किसी वैद्य या विशेषज्ञ की शरण में जाने की जरूरत नहीं है। अपने घर पर ही छोटे-छोटे प्रयोग कर इसके अलग-अलग लाभ उठाए जा सकते हैं। आमतौर पर देखा गया है कि लोग उठते ही गर्म पानी या फिर निम्बू पानी का सेवन करते हैं जिससे कि उनका पेट साफ़ हो और खुल कर शरीर की गंदगी बाहर निकल जाए यह शरीर के लिए फायदेमंद है, यदि इसमें थोड़ी सी हल्दी मिक्स कर दी जाए तो इसके गुणों में भारी इजाफा हो जाता है।

### शरीर को शक्तिशाली बनाना

लगभग 500 ग्राम की मात्रा में हल्दी की गांठे और एक किलो बुझा हुआ चूना लेकर इसको एक मिट्टी के बर्तन में डालकर इसमें ऊपर से 2 लीटर पानी डालें। पानी डालते ही चूना पकने लगता है और जब यह ठण्डा हो जाए तो बर्तन को ढककर रख दें। इसके बाद 2 महीने बाद हल्दी की गांठों को निकालकर पीसकर चूर्ण बना लें। हल्दी की गांठों के चूर्ण को 3 ग्राम की मात्रा में लेकर 10 ग्राम शहद के साथ मिलाकर लगातार 4 महीने तक रोजाना खाने से शरीर का खून साफ हो जाता है और इससे शरीर में भरपूर ताकत आती है।

### वजन कम होता है

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो ऐसे में अपनी डाइट में हल्दी का पानी शामिल कर सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है। फैट बढ़ाने वाले टिशूज को बनने से रोकने के लिए हल्दी का पानी पीना फायदेमंद होता है।

### आंखों के रोग

हल्दी को अरहर की दाल में पकायें और छाया में सुखा लें उसे पानी में घिसकर, शाम होने से पहले ही दिन में दो बार जरूर लगायें इससे झामर रोग, सफेद फूली और आंखों की लालिमा में लाभ होता है।

### नहीं होंगी त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याएं

हल्दी का पानी खून साफ करता है। साथ ही इस पानी को पीने से शरीर में विषाक्त तत्वों को बाहर निकालने में मदद मिलती है। इससे एजिंग साइन्स जैसे झुर्रियां या मुरझाई त्वचा की समस्या दूर होगी। त्वचा की सूजन कम करने में हल्दी फायदेमंद मानी जाती है। इसका इस्तेमाल करने से त्वचा में निखार बढ़ता है।

### पेट से जुड़ी समस्याएं दूर होंगी

हल्दी के पानी का सेवन करेंगे, तो पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे डायरिया, अपच, कब्ज, पेट में दर्द, पेट में ऐंठन आदि समस्याएं दूर होंगी। हल्दी का पानी पीने से शरीर में पित्त ठीक से बनता है और पाचन तंत्र मजबूत बनता है। हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण भी होते हैं। हल्दी के पानी का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है। हल्दी में मौजूद लिपो पॉलिसैकेराइड की मदद से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सेल्स बढ़ते हैं। एक गिलास गुनगुने पानी में एक नीम्बू निचोड़कर उसमें एक चुटकी हल्दी मिला लें और इसे सुबह खाली पेट पीएं। ऐसा करने से पेट में गैस बनने की समस्या दूर होती है और एसिडिटी, बदहजमी, फूड पॉइजनिंग, कब्ज आदि बीमारी से भी छुटकारा मिलता है जिससे सुबह पेट पानी की तरह साफ़ होगा।

### हार्ट की बीमारियों से होगा बचाव

हल्दी का पानी शरीर से कोलेस्ट्रॉल का स्तर को नियंत्रण रखने में मदद करता है। हल्दी का पानी पीने से खून के थक्के बनने से रोकने में मदद मिलेगी। इससे आपको हार्ट से जुड़ी बीमारियों का खतरा नहीं होगा।

### कम होती है सूजन

शरीर में सूजन कितनी भी क्यों न हो हल्दी सूजन को कम करने में सहायक है इसमें करक्यूमिन नामक एक रसायन पाया जाता है जो दवा के रूप में काम करता है इसीलिए आपने देखा होगा किसी को भी चोट लग जाती है तो हमारे बुजुर्ग हल्दी दूध में डालकर पिलाते थे।

### ब्लाकेज से बचाती है हल्दी

जिन लोगो की खून की धमनियों में ब्लाकेज की शिकायत है उनको तो अवश्य ही हल्दी वाला पानी सेवन करना लाभदायक है क्योंकि हल्दी खून को जमने से रोकती है अदरक भी खून को पतला रखती है और ब्लाकेज से बचाती है।

### हड्डी के टूटने पर

हड्डी के टूटने पर रोज हल्दी का सेवन करने से लाभ मिलता है। एक प्याज को पीसकर एक चम्मच हल्दी मिलाकर कपड़े में बांध लें। इसे तिल के तेल में रखकर गर्म करें और इससे फिर सेंक करें। कुछ देर सेंकने के बाद पोटली खोलकर दर्द वाले स्थान पर बांध दें।

### नहीं पनपने देती बैक्टीरिया

यदि किसी कारण से शरीर के बाहरी या अंदरूनी हिस्से में चोट लग जाए-तो हल्दी वाला दूध उसे जल्द से जल्द ठीक करने में बेहद लाभदायक है क्योंकि यह अपने एंटी बैक्टीरियल और एंटीसेप्टिक गुणों के कारण बैक्टीरिया को पनपने नहीं देता है।

### त्वचा के रोग

हल्दी को पीसकर तिल के तेल में मिलाकर मालिश करें इससे चर्म रोग खत्म हो जाएगा। या अगर शरीर में खुश्की (चमड़ी सूख) गई हो तो सरसों के तेल में हल्दी को मिलाकर शरीर पर उसकी मालिश करने से लाभ होता है।

### मसूढ़ों का रोग

हल्दी को मोटा-मोटा कूटकर आग पर भून लें। इसे बारीक पीसकर कपड़े से छानकर प्रतिदिन सुबह-शाम मसूढ़ों पर मलें। इससे मसूढ़ों के रोग ठीक हो जाते हैं।

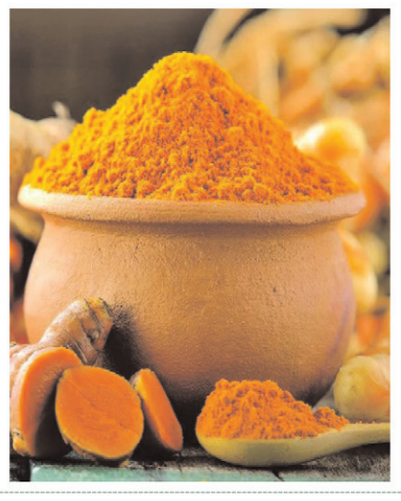

# सर्दियों में इन आदतों की वजह से बढ़ जाती है कब्ज की परेशानी

सर्दियों में अक्सर लोगों को कब्ज की परेशानी हो जाती है। इसका सबसे मुख्य कारण होता है ठंड के मौसम में शरीर के फंक्शन में बदलाव आना। डाइजेस्टिव सिस्टम स्लो हो जाता है, लेकिन हमारी कुछ आदतें भी हैं जो सर्दियों कब्ज को बढ़ा सकती हैं । आपका पाचन तंत्र ठीक से काम करें इसके लिए जरूरी है कि आप ठीक प्रकार से हाइड्रेट रहें। वहीं सर्दियों में गर्मी के मुकाबले लोग पानी कम पीते हैं, क्योंकि प्यास ही कम लगती है। पानी की कमी से मल सूखा और कठोर हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। ठंड के मौसम में लोग ज्यादातर घर में ही बिताते हैं। शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती है और इस वजह से आंतों की गतिविधि धीमी हो जाती है जिससे कब्ज हो सकती है। सर्दी का मौसम सुहावना होता है और इस मौसम में अक्सर लोग तला भुना, भारी खाना खाते हैं जो पाचन क्रिया को और भी धीमा कर देता है। सर्दियों में लोगों के आहार में फाइबर की कमी हो जाती है। लोग सलाद वगैरह कम खाने लगते हैं फाइबर की कमी से भी पाचन धीमा हो जाता है। जिससे कब्ज की समस्या पैदा हो सकती है।

ठंड में लोग चाय कॉफी-अधिक सेवन करते हैं और कैफीन अधिक सेवन करने से शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे मल सूखा और कठोर हो जाता है। वहीं सर्दियों के मौसम में लोगों को तनाव और उदासी बनी रहती है। इससे भी पाचन तंत्र प्रभावित होता है। आंतों की गति धीमी हो जाती है। इसके अलावा ठंडी हवा के कारण शरीर की मांसपेशियां संकुचित हो जाती है जिससे आंतों की गतिविधि में रुकावट आ सकती है।

# सभी पोषक तत्वों की कमी पूरी करता है मल्टीग्रेन आटा

**मल्टीग्रेन आटे का अर्थ है मिला जुला आटा या कई तरह के अनाज का मिक्स आटा। इस में गेहूं के साथ ही ज्वार, बाजरा, जौ, काला चना, रागी, जई, मक्का, किनोआ, सूजी, चावल, सिंघाड़े, राजगिरा आदि के आटे को मिलाकर आटा तैयार किया जाता है। इस आटे में विटामिन, प्रोटीन, डाइटरी फाइबर, कार्ब्स, आयरन, कैल्शियम, खनिज आदि कई तरह के पोषक तत्व होते हैं। मल्टीग्रेन आटा ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होता है।**

### वजन होता है कम

इसके लिए आपको गेहूं के आटे में जई, मक्का, ज्वार और चना मिलाकर उसकी रोटी बनाकर खाना चाहिए। इसमें फाइबर अधिक होने से यह पाचन के लिए ठीक रहेगा और साथ ही यह वेट लॉस करेगा। यह कई सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होने के साथ-साथ शरीर को संपूर्ण पोषण प्रदान करता है। इसमें कई तरह के विटामिन होते हैं जिसके चलते शरीर में विटामिन की कभी कमी नहीं होती है।

### पाचन तंत्र को सुधारता

यह फाइबर से भरा होता है जो अच्छे आंत बैक्टीरिया का पोषण करता है, जिसके चलते पाचन तंत्र में सुधार होता है और मेटाबॉलिज्म में भी सुधार करता है।

### शारीरिक दर्द और सूजन को कम करता है बाजरा

बाजरा में सूजन-रोधी गुण होते हैं। मल्टीग्रेन आटा में बाजरे का आटा मिला होने से यह जोड़ों के दर्द और सूजन में लाभदायक है।

### मांसपेशियां होती है मजबूत

इससे मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इस आटे में सोयाबीन, चना और जौ भी मिलाया जाए तो यह प्रोटीन का अच्छा सोर्स बन जाता है। बच्चों के शरीरिक विकास के लिए यह मददगार साबित हो सकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### महिलाओं को लेकर मेलोनी का ऐतिहासिक कदम, हत्या मामले में सीधे होगी उम्रकैद की सजा



**रोम, एजेंसी।** इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण कानून पेश किया है। इटली के सदन ने मंगलवार को इस कानून को मंजूरी दे दी। जिसके तहत महिला हत्या को आजीवन कारावास की सजा वाला अपराध माना जाएगा। दरअसल, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। इसको लेकर इटली की सदन में विधेयक पेश किया गया। मंगलवार को सांसदों ने सर्वसम्मति से इस विधेयक का समर्थन किया। विधेयक के अनुसार, दंड संहिता का नया अनुच्छेद पीड़ित की विशेषताओं के आधार पर हत्या की एक श्रेणी बनाता है। विधेयक के तहत महिलाओं या लड़कियों की जानबूझकर हत्या - को आजीवन कारावास की सजा वाला अपराध बनाया गया है। इससे पहले इटली के कानून में पहले केवल उन मामलों में गंभीर परिस्थितियों का प्रावधान था जहां हत्यारा विवाहित हो या पीड़ित का रिश्तेदार हो। जुलाई में सीनेट द्वारा पहले ही स्वीकृत की जा चुकी सरकारी पहल 237 मतों के साथ पारित हो गई, जबकि इसके विरोध में कोई मत नहीं पड़ा। प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने मतदान की सराहना की और इस उपाय को प्रत्येक महिला की स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा का एक साधन बताया। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र ने मंगलवार को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट में बताया गया कि कि पिछले वर्ष लगभग 50,000 महिलाओं और लड़कियों की मृत्यु उनके जीवनसाथी या परिवार के सदस्यों के हाथों हुई। इटली के राष्ट्रीय सांख्यिकी संस्थान के अनुसार, 2024 में देश में दर्ज 327 हत्याओं में से 116 महिलाओं और लड़कियों से संबंधित थीं। इसमें 92.2 प्रतिशत मामलों में हत्यारे (आरोपी) पुरुष थे।

### पेरू के पूर्व राष्ट्रपति विजकार्रा को 14 साल की जेल

**लीमा, एजेंसी।** पेरू की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति मार्टिन विजकार्रा को एक दक्षिणी राज्य के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार योजना में उनकी भूमिका के लिए 14 साल जेल की सजा सुनाई है। विजकार्रा को तत्काल कारावास की सजा सुनाई गई और सार्वजनिक पद से नौ वर्ष का प्रतिबंध लगा दिया गया। अदालत ने निष्कर्ष निकाला कि विजकार्रा ने मोकेगुआ के गवर्नर के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान दो प्रमुख परियोजनाओं - एक सिंचाई प्रणाली और एक अस्पताल के निर्माण - के लिए ठेके देने के बदले में कंपनियों से अवैध भुगतान प्राप्त किया था। अधिकारियों ने विजकार्रा पर निर्माण कंपनियों से लगभग 611,000 डॉलर की रिश्वत लेने का आरोप लगाया। अभियोजकों ने 15 वर्ष की जेल की सजा का अनुरोध किया था।

### जेन-जी और यूएमएल कैडरों में झड़प, एक हफ्ते के अंदर दूसरी बार हिंसा

**धनगढ़ी, एजेंसी।** नेपाल के धनगढ़ी शहर में बुधवार को जेन-जी समूह और केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच टकराव हो गया। एक सप्ताह के भीतर हिंसा की यह दूसरी घटना है। इस झड़प में प्रदर्शनकारी एक जेन-जी को हल्की चोट आई है। यूएमएल नेता महेश बसनेत के शहर में आने से पहले जेन-जी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि तनाव तब बढ़ा, जब बाइक पर आए यूएमएल कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शनकारियों पर हमला कर दिया। बसनेत नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धनगढ़ी जा रहे थे। कैलाली जिला पुलिस कार्यालय के अनुसार, पिछले सप्ताह बारा जिले में हुई हिंसा को देखते हुए पुलिस ने पहले ही सुरक्षा कड़ी कर दी थी। रविवार को कुछ जेन-जी ने बिराटनगर हवाई अड्डे के पास महेश बसनेत की गाड़ी पर स्याही फेंक दी थी। इससे कुछ ही दिन पहले सिमरा चौक पर यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल और बसनेत को रोकने की कोशिश कर रहे जेन-जी कार्यकर्ताओं और यूएमएल कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

## लिवरपूल विजय परेड में ड्राइवर ने जानबूझकर भीड़ पर चढ़ाई थी कार, कोर्ट में रोते-रोते कबूला गुनाह

**लिवरपूल , एजेंसी।** लिवरपूल की प्रीमियर लीग जीत की खुशी में के दौरान भीड़ पर कार चढ़ाने के आरोपी ने अपना गुनाह स्वीकार कर लिया है। उसने कबूल किया कि भीड़ में जानबूझकर कार घुसाई थी। महीनों तक गुनाह न कबुल करने के बाद अप 31 गंभीर अपराधों में ज्यादातर आरोपों पर दोषी कहकर सबको चौंका दिया। दरअसल, लिवरपूल फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग विजय परेड के दौरान भीड़ पर कार चढ़ाने वाले आरोपी पॉल डॉयल ने महीनों तक 31 आपराधिक आरोपों से मना किया था। पॉल डॉयल पर लगे आरोपों में में लिवरपूल शहर के केंद्र की घटना के दौरान गंभीर शारीरिक क्षति पहुंचाना, घायल करना, झगड़ा करना और खतरनाक ड्राइविंग करना शामिल था। ब्रिटेन के युवक ने महीनों तक गुनाह न कबुल करने के बाद बुधवार को अदालत में नाटकीय ढंग से अपनी दलील बदलते हुए टूट गया और उसने स्वीकार किया कि उसने लिवरपूल के प्रीमियर लीग विजय परेड में जानबूझकर अपनी कार भीड़ में घुसा दी थी, जिससे कई लोग घायल हो गए थे। कोर्ट में सुनवाई के दौरान जब अभियोजक उसके खिलाफ सबूत पेश करने की तैयारी कर रहे थे, तो 54 वर्षीय व्यक्ति ने सनसनीखेज ढंग से अपना बयान बदल दिया। आरोपी पॉल डॉयल ने सूट और चश्मा पहने हुए, वह रो रहा था और फर्श को घूर रहा था और लड़खड़ाती आवाज में हर बार दोषी कह रहा था। न्यायाधीश एंड्रयू मेनरी ने कहा कि वह 15 दिसंबर से शुरू होकर दो दिनों में सजा सुनाएंगे, उन्होंने आरोपी डॉयल से कहा कि वह कुछ अवधि की हिरासत की सजा के लिए तैयार रहें। सबसे गंभीर अपराधों के लिए अधिकतम सजा आजीवन कारावास है। तीन बच्चों के पिता डॉयल, जो गिरफ्तारी के बाद से ही हिरासत में हैं, सजा सुनाए जाने तक जेल में ही रहेंगे। गौरतलब है कि 26 मई को लिवरपूल फुटबॉल क्लब की प्रीमियर लीग विजय परेड के दौरान बड़ी संख्या में समर्थक लिवरपूल के सिटी सेंटर में उमड़ पड़े थे। परेड के लिए सड़कें बंद थी।

### व्हाइट हाउस प्रेस सेक्रेटरी की रिश्तेदार हिरासत में

# ब्राजील डिपोर्ट किया जा सकता है

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका की इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट के भतीजे की मां, ब्रूना कैरोलाइन फेरेरा को गिरफ्तार किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें जल्द ही ब्राजील वापस भेजा जा सकता है।

यह मामला तब सामने आया जब आईसीई अधिकारियों ने उन्हें मैसाचुसेट्स से पकड़कर लुइसियाना की एक डिटेंशन सेंटर में भेज दिया। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी का कहना है कि ब्रूना एक टूरिस्ट वीजा पर अमेरिका आई थीं, लेकिन उनका वीजा 1999 में खत्म हो गया था। उनका आरोप है कि ब्रूना ने वीजा की टाइम लिमिट पार कर दी और उन पर हमले के शक में कार्रवाई की गई है। ब्रूना के वकील टॉड पोमरलीउ इन बातों से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि ब्रूना पर कोई आपराधिक मामला नहीं है। वे डीएसीए नाम के उस सरकारी प्रोग्राम के तहत कानूनी तौर पर अमेरिका में रह रही थीं, जो बच्चों के तौर पर आए लोगों को सुरक्षा देता है। वकील का यह भी



कहना है कि ब्रूना ग्रीन कार्ड लेने की प्रोसेस में थीं और उन्हें अचानक गिरफ्तार कर लेने से उनका छोटा बच्चा भी उनसे अलग हो गया। ब्रूना के 11 साल के बेटे की परवरिश उसके पिता माइकल लेविट कर रहे हैं, जो कैरोलीन लेविट के भाई हैं। माइकल ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी चिंता उनके बेटे की सुरक्षा और उसकी प्राइवेसी है। ट्रम्प प्रशासन ने इस साल से इमिग्रेशन कानूनों को बेहद सख्ती से लागू करना शुरू किया है। सरकार का कहना है कि जो भी लोग अमेरिका में बिना इजाजत के रह रहे हैं, उन्हें देश से निकाला जा सकता है। ब्रूना फेरेरा को 1998 में बचपन में ही अमेरिका लाया गया था। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी के प्रवक्ता के मुताबिक, उन्होंने 1999 में अपने टूरिस्ट वीजा अवधि से ज्यादा ठहराव किया था और उन पर हमला करने का भी एक मामला दर्ज हुआ था। ष्ठ॥स् का कहना है कि इन्हीं आधारों पर वर्तमान में उन्हें निष्कासन की प्रक्रिया में रखा गया है। बता दें कि डीएसीए यानी 'बचपन में आगमन के लिए विलंबित कार्रवाई' एक अमेरिकी आव्रजन नीति है जो 15 जून, 2012 तक कम से कम पांच साल के लिए बचपन में अमेरिका लाए गए कुछ अपात्र अप्रवासियों को निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा और काम करने की अनुमति देती है। यह कार्यक्रम दो साल के लिए वैध होता है और इसे रिन्यू किया जा सकता है। उनके वकील पोमेरलो का कहना है कि फरेइरा पहले डीएसीए लाभार्थी थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कार्यक्रम समाप्त करने की कोशिश के कारण उनका नवीनीकरण रुक गया। वकील के अनुसार, फरेइरा फिलहाल अपने लिए अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने की वैध प्रक्रिया में थीं। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, फरेइरा ट्रंप की प्रेस सेक्रेटरी करोलिन लेविट के भाई माइकल लेविट की पूर्व मंगेतर हैं। दोनों का एक 11 वर्षीय बेटा है, जो वर्तमान में अपने पिता के साथ न्यू हैम्पशायर में रहता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि करोलिन लेविट और फरेइरा कई वर्षों से आपस में संपर्क में नहीं हैं। फरेइरा को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह अपने बेटे को लेने न्यू हैम्पशायर जा रही थीं।

# इस्राइल ने लौटाए 15 और फलस्तीनियों के शव

### सीजफायर के दूसरे चरण पर चर्चा के लिए मिले तीन देशों के अधिकारी

**तेल अवीव, एजेंसी।** इस्राइल ने पंद्रह और फलस्तीनियों के शव सौंप दिए हैं। संघर्षविराम समझौते का पहला चरण खत्म होने के करीब है और अधिकारी दूसरे चरण पर चर्चा करने के लिए एकत्र हुए हैं। गाजा में अस्पताल के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम उस समय हुआ है, जब फलस्तीनी लड़ाकों ने इस्राइली बंधक ड्रोर ओर के अवशेष लौटाए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि हमास के सात अक्तूबर 2023 के हमले में उनकी मौत हो गई थी। समझौते के तहत इस्राइल हर एक बंधक के बदले 15 फलस्तीनी शव लौटाने के लिए तैयार हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, ताजा आदान-प्रदान के बाद इस्राइल अब तक कुल 345 फलस्तीनी शव गाजा वापस भेज चुका है। ये आदान-प्रदान पिछले महीने शुरू हुए थे। गाजा में अभी भी दो लोग हमास की कैद में हैं। इनमें एक इस्राइली और एक थाई नागरिक है। तुर्किये, कतर और मिस्र के अधिकारियों ने बुधवार को काहिरा में मुलाकात की, ताकि संघर्षविराम के दूसरे चरण पर बात की जा सके। दोनों पक्षों की ओर से एक दूसरे पर संघर्षविराम के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं। इसके बावजूद यह संघर्षविराम अब तक बना हुआ है। समझौते के अगले चरणों में एक अंतरराष्ट्रीय बल को तैनात करना और गाजा के लिए एक अंतरराष्ट्रीय प्रशासनिक ढांचा बनाना शामिल है, जो पुनर्निर्माण कार्य की निगरानी भी करेगा। सशस्त्र अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल का काम सुरक्षा बनाए रखना और हमास का निरस्त्रीकरण सुनिश्चित करना होगा। यह इस्राइल की मुख्य मांग है। इंडोनेशियाई अधिकारियों ने कहा है कि वे इस बल के लिए 20 हजार शांति सैनिक भेजने की योजना बना रहे हैं। इस योजना के लगभग हर हिस्से और इसे लागू करने के समय को लेकर सवाल बने हुए हैं। इस बीच, लगभग सभी फलस्तीनी अपने घरों से विस्थापित हैं और मानवीय मदद पर निर्भर हैं। हमास अभी भी गाजा के लगभग आधे हिस्से पर बड़ा नियंत्रण रखता है और गाजा के पुनर्निर्माण की शुरुआत भी मुश्किल से हुई है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल की ओर से लौटाए गए 345 शवों में से केवल 99 की पहचान हो सकी है। उनका कहना है कि गाजा में डीएनए परीक्षण किट की कमी के कारण पहचान की प्रक्रिया बेहद मुश्किल है।

## ट्रंप का ताइवान मुद्दे पर जापान को कड़ा संदेश, 'मत लो चीन से पंगा...स्थिति और न बिगाड़ो'!

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जापान की पीएम साने ताकाइची को चीन के साथ बढ़ते तनाव पर बड़ा संदेश दिया है। ट्रंप ने फोन पर ताकाइची से कहा कि ताइवान को लेकर टकराव बढ़ाने से बचें, क्योंकि यह एशिया में नई अस्थिरता को जन्म दे सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में जापानी प्रधानमंत्री साने ताकाइची से फोन पर बातचीत की, जिसमें उन्होंने ताइवान को लेकर चीन के साथ बढ़ते तनाव को संभलकर हैंडल करने की सलाह दी। द वॉल स्ट्रीट जर्नल और क्योदो न्यूज के अनुसार, ट्रंप ने ताकाइची से कहा कि उनके बयान से पहले ही टोक्यो-बीजिंग रिश्तों में तनाव बढ़ चुका है, इसलिए उन्हें अधिक उग्र बयानबाजी से बचना चाहिए। यह चर्चा उस समय हुई जब ताकाइची ने जापानी संसद में कहा था कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है, तो यह जापान के लिए अस्तित्व संकट बन सकता है। चीन ने इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी थी।सूत्रों के अनुसार, ट्रंप ने ताकाइची पर दबाव नहीं डाला, लेकिन सुझाव दिया कि वे अपने बयान का टोन थोड़ा हल्का करें, क्योंकि वे घरेलू राजनीति को देखते हुए इसे पूरी तरह वापस नहीं ले सकतीं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जापानी अधिकारियों ने ट्रंप की सलाह को इस संकेत के रूप में देखा कि वे नहीं चाहते कि ताइवान मुद्दा उनकी हालिया चीन के साथ नरमी को खराब करे-विशेष रूप से उस समय जब चीन ने अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने का वादा किया है। ट्रंप ने मीडिया से कहा कि उनकी ताकाइची से बहुत अच्छी बातचीत हुई है और वे मानते हैं कि जापान और चीन दोनों ठीक हैं। उनकी यह कॉल ताइवान पर बयान के तुरंत बाद आई थी, और उससे कुछ ही पहले वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी बात कर चुके थे।

## अगले साल जी-20 सम्मेलन में नहीं दूंगा न्योता

**वाशिंगटन , एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि अगले साल फ्लोरिडा में होने वाले त्र20 समिट में साउथ अफ्रीका को हिस्सा लेने के लिए नहीं बुलाया जाएगा। दरअसल, पिछले हफ्ते अमेरिका ने साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में लीडर्स समिट का बॉयकॉट किया था। इस बॉयकॉट को अफ्रीकी देश ने अपने खिलाफ सजा देने वाला कदम बताया था। बता दें कि जी-20 नेताओं ने शनिवार को अमेरिका के एतराज के बावजूद जलवायु संकट और दूसरी ग्लोबल चुनौतियों से निपटने के लिए एक घोषणा की। इस घोषणा के बाद अमेरिका ने साउथ अफ्रीका पर इस साल ग्रुप की लीडरशिप को हथियार बनाने का आरोप लगाया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि जी-20 के खत्म होने पर साउथ अफ्रीका ने जी-20 प्रेसीडेंसी हमारे यूएस एम्बेसी के एक सीनियर रिप्रेजेंटेटिव को देने से मना कर दिया, जो क्लोजिंग सेरेमनी में शामिल हुए थे। इसलिए मेरे कहने पर साउथ अफ्रीका को 2026 जी-20 का निमंत्रण नहीं मिलेगा, जिसे अगले साल फ्लोरिडा के ग्रेट सिटी मियामी में होस्ट किया जाएगा। डोनल्ड ट्रंप के इस पोस्ट को साउथ अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के कार्यालय ने अफसोसजनक करार दिया है। सम्मेलन में अमेरिका का डेलीगेशन मौजूद नहीं था, इसलिए जी20 प्रेसीडेंसी के इंस्ट्रुमेंट साउथ अफ्रीका के डिपार्टमेंट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस एंड कोऑपरेशन के हेडक्वार्टर में यूएस एम्बेसी के एक अधिकारी को सौंप दिए गए थे।

## पहले मौत की सजा, अब भ्रष्टाचार मामले में 21 साल की जेल

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश की राजधानी ढाका के एक कोर्ट ने पदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को भ्रष्टाचार के आरोप में 21 साल जेल की सजा सुनाई है। शेख हसीना को यह सजा ऐसे समय पर सुनाई गई, जब इससे पहले आईसीटी ने उन्हें मौत की सजा सुना चुका है।

दरअसल, ढाका के स्पेशल जज 5 मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने शेख हसीना को तीन प्लॉट फ्रॉड केस में 7-7 साल की सजा सुनाई है।

बता दें कि बांग्लादेश के एंटी-करप्शन कमीशन ने पिछले जनवरी में शेख हसीना और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ ढाका के पुरबाचल इलाके में कथित तौर पर गैरकानूनी तरीके से सरकार प्लॉट बांटने के लिए छह अलग-अलग मामला दर्ज कराए थे। बाकी तीन मामलों में फैसला 1 दिसंबर को



सुनाया जाएगा। कोर्ट ने शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय को पांच साल जेल और 100,000 ञ्जद्म का जुर्माना लगाया। कोर्ट ने शेख हसीना की बेटी साइमा वाजेद पुतुल को पांच साल की सजा सुनाई है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने जुलाई 2024 में सरकार के विरुद्ध प्रदर्शनों को दबाने की शेख हसीना की कोशिशों के लिए उन्हें मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी माना और हसीना को मौत की सजा सुनाई।

इस दौरान शेख हसीना और उनके परिवार के पास इन मामलों में कोई वकील नहीं था। हालांकि, उन्होंने अलग-अलग भाषणों और बयानों में किसी भी भ्रष्टाचार के आरोपों में शामिल होने से इनकार किया है।

इन सब के बीच बुधवार को भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार अभी बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के उन अनुरोध की जांच कर रही है, जिसमें पूर्व बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की गई है। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली को इस मामले पर ढाका से औपचारिक रूप से जानकारी मिली है।

# फ्रांस में दहल उठा आसमान, भारत ने दिखाई फौलादी ताकत

**पेरिस, एजेंसी।** भारत ने फ्रांस के आसमान पर अपनी फौलादी ताकत की अनुभूति करवाई। इन दिनों मोंट-डी-मार्सन एयरबेस पर आसमान में गर्जना हो रही है। भारतीय वायुसेना और फ्रांसीसी वायु व अंतरिक्ष सेना का संयुक्त अभ्यास गरुड़ 2025 के दौरान यह नजारा देखने को मिला। यह अभ्यास का आठवां संस्करण है और अब तक का सबसे बड़ा और हाई-इंटेंसिटी संस्करण माना जा रहा है। ध्यान रहे कि भारतीय वायुसेना ने अपना सबसे ताकतवर फाइटर जेट सुखोई-30 एमकेआई फ्रांस भेजा है। इनके सामने है फ्रांस का घातक राफेल और हमारा मिराज-2000। दोनों देशों के पायलट एक-दूसरे के साथ उड़ान भर रहे हैं और हवा में अपनी फौलादी युद्धक ताकत दिखा रहे हैं।

अभ्यास के दौरान हवा से हवा में मार करने वाले मिशन, एयर डिफेंस ऑपरेशन, बड़े पैमाने पर हमले के अभ्यास और लंबी दूरी तक हमला करने की रणनीति पर काम हो रहा है। सबसे खास बात ङ्क भारतीय ढ्ढरू-78 एयर-टू-एयर रीफ्यूलर ने एसयू -30 एमकेआई को हवा में ही ईंधन भरा, ताकि लड़ाकू विमान ज्यादा देर तक





आसमान में डटे रह सकें।

इस रिहर्सल के दौरान सी-17 ग्लोबमास्टर ढ्ढढ्ढ ने पूरे दल को भारत से फ्रांस तक पहुंचाया और वापसी में भी यही विमान साथ रहेगा। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर जो वीडियो और फोटो शेयर किए हैं, उनमें एसयू -30 एमकेआई और राफेल कंधे से कंधा मिला कर उड़ते हुए दिख रहे हैं ङ्क यह नजारा किसी भी रक्षा प्रेमी के लिए रोमांचक है।

**गरुड़ पार्टनरशिप को और गहरा कर रहा:** गौरतलब है कि भारत और फ्रांस की रणनीतिक साझेदारी 1998 से चली आ रही है और रक्षा, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और अब हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग इसके मजबूत स्तंभ हैं। गरुड़ अभ्यास इसी पार्टनरशिप को और गहरा कर रहा है।

भारतीय वायुसेना के अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के अभ्यास से न सिर्फ पायलटों का कौशल बढ़ता है, बल्कि आपात स्थिति में दोनों देश एक-दूसरे पर पूरा भरोसा कर सकते हैं। फ्रांसीसी पायलट भी स्ह्व-30रूद्मढ्ढ की ताकत और भारतीय पायलटों की सटीकता से बहुत प्रभावित हुए हैं। बहरहाल, रक्षा विशेषज्ञों और आम लोगों में जबरदस्त उत्साह है। सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं ङ्क दोनों देशों के जेट एक साथ उड़ते हुए देख कर गर्व हो रहा है, राफेल हमारा है, स्ह्व-30 हमारा है ङ्क दोनों मिल कर दुश्मन को पसीना छुड़ा देंगे! इस अभ्यास से सबसे बड़ा फायदा यह है कि भारत ने राफेल के माध्यम से अपनी असली ताकत का पता चल रहा है, क्योंकि हमारे पास भी अब 36 राफेल हैं और ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने इसके बारे में दुष्प्रचार किया था, जो गलत साबित हुआ।

# शिव पुराण श्रवण का अवसर सौभाग्य की बात –विधायक रोहित साहू

## विधायक ने की पूजा-अर्चना

**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** गांधी मैदान में शिव शक्ति महिला परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा के अंतिम दिवस शनिवार को राजिम विधायक रोहित साहू शामिल हुए। विधायक साहू ने कथा स्थल पहुँचकर पार्थिव शिवलिंग की पूजा-अर्चना की और कथावाचक पंडित पलक नरेंद्र पांडेय का साल-श्रीफल से सम्मान किया। जिसके बाद श्रद्धालुओं के साथ बैठकर कथा का श्रवण किया। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर और नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव भी उपस्थित रहे।इस अवसर पर विधायक रोहित विधायक साहू ने कहा कि शिव पुराण जैसी धार्मिक कथाएँ समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा,प्रेरणा और सकारात्मक विचारों का संचार करती हैं।शिव महापुराण का श्रवण सौभाग्य से मिलता है।उन्होंने शिव शक्ति महिला परिवार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बड़ी संख्या में मातृशक्ति और नगरवासियों को धर्म से जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है। धर्म जागरण यह काम नई पीढ़ी में आस्था जागृत करने का भी काम करेगा। नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव ने कहा कि यह पहला अवसर है जब गरियाबंद में माताएँ-बहनें मिलकर इतना भव्य धार्मिक आयोजन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गरियाबंद धर्म प्रेमियों का नगर है और यहाँ मातृशक्ति की उपस्थिति हर आयोजन को सफल बनाती है।जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर ने कहा कि धर्म का पथ कठिन है,लेकिन शिव पुराण से विघ्न-बाधाएँ दूर होती हैं और सुख-समृद्धि के साथ आत्मीय शांति मिलती है।उन्होंने उपस्थित लोगों से धर्म के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ने का आह्वान किया।इस अवसर पर जिला महामंत्री चंद्रशेखर साहू,जिला मंत्री सुरेंद्र सोनटेके,पूर्व नपा अध्यक्ष मिलेश्वरी साहू, पारस ठाकुर, सागर मयाणी, सहित समिति प्रमुख शत्रुघन साहू,विजय साहू,लखन साहू, पुष्पा साहू,रेणुका साहू,त्रिवेणी दीवान,पार्वती साहू, रेखा सोनवानी,सहित अन्य श्रद्धालु उपास्थित रहें।

## खबर-खास

### बेटे ने की माँ की हत्या, गिरफ्तार

**सारंगढ़ ( समय दर्शन )।** सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले से हैरान करने और दिल दहला देने वाला मामला निकल कर सामने आया है जिस मां ने नव महीने कोख में रखकर जन्म दिया और उंगली पकड़कर चलना सिखाया जिन हाथों ने कभी मां की उंगली थामकर चलना सीखा है आज वही हाथ मां का कातिल बन चुका है जिस मां ने बेटे को भूख लगी तो अपना भोजन देकर बच्चे का पेट भरा आज वही बेटा भोजन के लिए इतना कलयुगी बन चुका की मां की हत्या कर देता है बहुत ही हैरान और हृदय विदारक घटना है छत्तीसगढ़ के सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले से जहां बरमकेला थाना क्षेत्र गांव मेकरा का है मामूली विवाद में कलयुगी पुत्र ने की अपनी मां की हत्या, मिली जानकारी अनुसार मृतिका का बेटा खाना मांग रहा था लेकिन उस वक्त तक खाना नहीं बना था तो मां ने कहा अभी खाना नहीं बना है थोड़ा देर में बन जाएगा बस इतनी सी बात को लेकर बेटा अपनी मां से झगड़ा करने लग गया और खाना नहीं देने पर सर पर डंडा से प्राणघाती हमला किया जिससे सिर पर गंभीर चोट आई है घटना के बाद घायल मृतका रत्ना को इलाज के लिए रायगढ़ ले जाया गया जहां इलाज के दौरान रत्ना बरीहा की हुई मौत,वही घटना के बाद आरोपी पुत्र लक्ष्मण बरिहा को बरमकेला पुलिस ने गिरफ्तार किया।

### गंगोत्री-मिश्रा को मिली कमान, अर्थात अब बैटरन को की गई नमस्ते

**बिलासपुर ( समय दर्शन )।** कांग्रेस के संगठन में बहु प्रतीक्षित बदलाव हो गया। गंगोत्री और सिधांशु इस मामले में खुश नसीब है कि उन्हें जूझने वाली तेवर से भरी हुई कांग्रेस मिली। हाई कमान ने स्पष्ट दिखा दिया बैटरल का दौर खत्म अब तो 20 वाली टीम से ही मैच खेले जाएंगे।

सिधांशु मिश्रा को शहर कांग्रेस की कमान और महेंद्र गंगोत्री को ग्रामीण, दोनों का आयु वर्ग एक है दोनों शिक्षित हैं युवाओं की समस्याओं से परिचित है और कांग्रेस के परंपरागत वोटो के अतिरिक्त युवा वोटर्स को पार्टी में जोड़ सकते हैं। बस जरूरत है तो सही टीम के साथ काम करने की। इन नियुक्तियों ने यह भी बता दिया कि अब अभी बिलासपुर कांग्रेस में किस गुट की चल रही है।

कांग्रेस के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र यादव इस समय पूरी रफ्तार से बिलासपुर में लगे हुए हैं। विजय + विजय ने जितने साल कांग्रेस की कमान संभाल रखी थी पार्टी का कोई भला नहीं हुआ। निगम चुनाव का परिणाम सत्ता की लहर का परिणाम था। उसके बाद ऐसा कोई चुनाव नहीं था जहां कांग्रेस को मुंहकी नहीं खानी पड़ी है। अब जब एस आई आर चल रहा है और सरकार एक भी मोर्चे पर सफल नहीं है फिर वह मामला जमीन रजिस्ट्री का हो, बिजली बिल का हो, पर्यावरण हो, कानून व्यवस्था या कोई अन्य यहां तक की भाजपा का नारा न खाऊंगा न खाने दूंगा में भी मंत्री और उसके पीए अब रोज नए आरोपों से घिरते हैं। ऐसे में दो युवा नेता यदि अपनी टीम से सही समीकरण और संतुलन बनाकर चले तो जिले में कांग्रेस प्रभावशाली रूप से संचालित हो सकती है।

### पूर्व विधायक कमरो के नाम की गलत मैपिंग तकनीकी त्रुटि, संशोधन पूर्ण, मतदाता सूची से नाम काटे जाने का दावा निराधार

**एमसीबी।** कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भरतपुर एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण कार्यालय विधानसभा क्षेत्र 01 भरतपुर-सोनहत ने कुछ यूट्यूब चैनलों व समाचार पत्रों में प्रसारित इस भ्रामक खबर का खंडन जारी किया है कि पूर्व विधायक श्री गुलाब कमरो का नाम धर्मजयगढ़ विधानसभा की मतदाता सूची में दर्ज है और त्रुटि सुधार के बाद भी गलत दर्ज बना हुआ है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि दिनांक 20 नवंबर 2025 को स्वयं श्री गुलाब कमरो द्वारा भेजे गए स्क्रीनशॉट के आधार पर पता चला कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 2003 के ईपिक विवरण का डिजिटाइजेशन तकनीकी समस्या के कारण विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 19 धर्मजयगढ़ के भाग संख्या 169 में बीएलओ द्वारा मैपिंग दिखा रहा था। मामले में तत्परता दिखाते हुए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा 21 नवंबर 2025 को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ को पत्र भेजकर तकनीकी समाधान का अनुरोध किया गया। दिनांक 26 नवंबर 2025 को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बीएलओ ऐप में अनमैपिंग सुविधा उपलब्ध कराई गई जिसके पश्चात धर्मजयगढ़ के बीएलओ द्वारा अनमैपिंग की कार्रवाई की गई और उसी दिन श्री गुलाब कमरो के डिजिटाइजेशन, सत्यापन तथा मैपिंग उनके मूल विधानसभा क्षेत्र 01 मनेन्द्रगढ़ के भाग संख्या 94 भलौर, सरल क्रमांक 767 में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया। निर्वाचन कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि भारत निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम अनुसार 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक का वितरण, वापसी और डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया जारी है।

# सोनाखान के हक-अधिकार की गूंज तेज, कांग्रेस नेता दीपक बांदे ने उठाई स्थानीय लोगों की आवाज़

**पिथौरा( समय दर्शन )।** सांकरा सपोस परिक्षेत्र से लगे सोनाखान क्षेत्र के लोगों को उनका मौलिक हक और अधिकार दिलाने की मांग अब जोर पकड़ने लगी है।

जनहितैषी मुद्दे को लेकर छतवन के कांग्रेस नेता दीपक बांदे ने सोनाखान में चल रही खनन गतिविधियों और स्थानीय जनता की उपेक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। दीपक बांदे ने बताया कि हाल के दिनों में सोनाखान सुर्खियों में इसलिए है क्योंकि सरकार ने यहां के सघन जंगल क्षेत्रों को वेदांता कंपनी को सोना उत्खनन के लिए सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि सोनाखान किसी परिचय का मोहताज नहीं—यह वही वीर धरती है, जहां के जमींदार शहीद वीर नारायण सिंह ने अपनी प्रजा और अधिकारों की रक्षा के लिए अंग्रेजों से मोर्चा लिया था।

लेकिन आज विडंबना यह है कि वही सोनाखान विकास के लिए तरस रहा है। पहले रायपुर जिले के अंतर्गत रहा यह क्षेत्र अब बलौदाबाज़ार जिले में शामिल है। जिले के अंतिम छोर पर होने के कारण यहां सरकारी योजनाएं ठीक से नहीं पहुंच पातीं, जिससे लोग अभी भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। दीपक बांदे ने कहा कि यदि वेदांता कंपनी सोनाखान की धरती से सोना निकाल रही है तो इसका सीधा लाभ यहां के स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह इस क्षेत्र के लोगों को प्राथमिकता देते हुए रोज़गार उपलब्ध कराए, और सोनाखान के चहुँमुखी विकास की दिशा में ठोस कदम उठाए।

उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ मूल्यवान खनिज संपदा से समृद्ध है, लेकिन इसके बाद भी गरीबी और भुखमरी की स्थिति चिंताजनक है। सरकार को पूंजीपतियों के साथ-साथ आम जनता का साथ देना होगा, तभी प्रदेश का वास्तविक विकास संभव है।

# बंद कमरे में कोयला जलाकर सोने से जा सकती है जान

## शीतलहर एवं ठंड से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

**सारंगढ़ बिलाईगढ़ ( समय दर्शन )।** शीतलहर एवं ठंड का दौर शुरू हो गया है, जिसको ध्यान में रखते हुए उससे बचने के लिए जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एफ आर निराला ने एडवाइजरी जारी किया है। ऑक्सीजन और कार्बन मोनो आक्साइड गैस से अनजान लोग ठंड से बचने कई बार कोयले का प्रयोग करते हैं। कोयले के जलाव के समय ध्यान रखना चाहिए। बंद कमरों में कोयले जलने से कभी कभी विषय परिस्थिति उत्पन्न हो जाती है क्योंकि कोयले के जलने से निकलने वाले धुएं में कार्बन मोनो ऑकसाइड निकलती है जो नुकसानदायक है, इससे जान भी जा सकती है।

सभी अस्पतालों को निर्देशित किया गया है कि ठंड से पीड़ित व्यक्ति के लिए उपचार के लिए पृथक से बेड आरक्षित रखे, उसके उपचार में प्रयुक्त होने वाले मशीन उपकरण आदि की व्यवस्था कर ली जानी चाहिए। ठंड में उच्च जोखिम समूह जैसे बच्चे, बुजुर्ग और दिव्यांगजनों की देखभाल विशेष रूप से की जानी चाहिए। वातावरण का तापमान गिरने से हाइपोथर्मिया (शरीर का तापमान कम) होने की संभावना होती है जिसमें कंपकपी, सिकुड़न, मांसपेशियों में खिंचाव, सांस लेने में परेशानियां हो सकती है। ऐसे स्थिति से बचने के लिए शीतलहर की स्थिति में घर से बाहर न निकले। घरों में रहे छोटे बच्चे एवं बुजुर्गों को गरम कपड़े पहनाए। दस्ताने, मफ्लर, स्वेटर आदि का उपयोग करे। शाम होते ही कमरे की दरवाजा खिड़की बंद करे लेकिन वेंटिलेशन बनाए रखे, गांवों में अलाव की व्यवस्था होनी चाहिए। छोटे बच्चे एवं बुजुर्गो को अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने दे। गर्म तरल पदार्थ का सेवन करे शरीर को हाइड्रेट रखें।

छोटे बच्चे को मोजे ,स्वेटर और कैप जरूर पहनाए। किसी भी प्रकार की विषम परिस्थिति में बच्चे बुजुर्ग को ठंड होने या तापमान कम हो जाने की स्थिति में तुरंत अस्पताल या अपने चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए। छोटे बच्चों को निमोनिया या सर्दी होने की संभावनाएं रहती है। इसके लिए सभी अस्पताल एवं स्वास्थ्य संस्थाएं को उपचार के लिए विशेष प्रबंध करने वाले लिए पृथक से निर्देश जारी किए गए है। छोटे बच्चों में मृत्यु का एक बड़ा कारण दस्त और निमोनिया होती है। अत: इससे सतर्क रहे एवं बचने की पूरी व्यवस्था करके रखे शीतलहर की स्थिति में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अलाव के लिए लकड़ी की व्यवस्था करना, घुमंतू व्यक्तियों की देखरेख बढ़ाना, ज्यादा शीतलहर होने की स्थिति में राज्य एवं जिला प्रशासन, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्कूल के खुलने के समय परिवर्तन पर भी निर्णय लेती है।

## माताओं का शरीर ठंडी हो तब शिशु को दूध पिलाना भी नुकसानदेह

कई बार गांव शहर में छोटे बच्चों की माताएं रात को जल्दी उठकर काम में लग जाती है और ठंड की स्थिति में बच्चों को दूध पिलाती है। इससे भी छोटे बच्चों को ठंड लग सकती है, जिससे बच्चे को उल्टी व दस्त होने की संभावना बन सकती है। ऐसी स्थिति में पोषक माताएं अपने शरीर के तापमान को पहले सामान्य कर ले, फिर दूध पिलाए। इससे बच्चे को कोई नुकसान नहीं होगा।

# कांग्रेस में शक्ति संतुलन बरकरार, ताराचंद देवांगन की वापसी

**सारंगढ़-बिलाईगढ़ ( समय दर्शन )।** लंबे इंतज़ार और संगठन में बनी असमंजस की स्थिति के बाद छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आखिरकार जिला अध्यक्षों की सूची जारी कर दी है। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कांग्रेस ने एक बार फिर ताराचंद देवांगन पर भरोसा जताते हुए उन्हें जिला कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी है।

जैसे ही सूची जारी होने की खबर क्षेत्र में पहुंची, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों और मिठाई बांटकर जश्न मनाया। दिनभर ताराचंद देवांगन के निवास में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा।

स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके पुनर्नियुक्ति को संगठन में स्थिरता व अनुभव आधारित नेतृत्व का महत्वपूर्ण संकेत बताया। कई कार्यकर्ताओं ने कहा कि देवांगन के नेतृत्व में संगठन ने हमेशा मजबूती पाई है और आगे भी पार्टी को नई दिशा मिलेगी।

ताराचंद देवांगन ने आलाकमान के प्रति जताया आभार

जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर ताराचंद देवांगन ने प्रदेश नेतृत्व व आलाकमान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन हमेशा मेरी प्रथम प्राथमिकता रहा है। आने वाले समय में हमारा लक्ष्य पार्टी को और मजबूत करना तथा जिले में फिर से विधायक बनाने के संकल्प को पूरा करना है। अधिक से अधिक लोगों को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ना और निष्ठापूर्वक संगठन को मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है।

नई जिम्मेदारी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है और संगठन एक बार फिर सक्रियता के साथ आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए तैयार दिखाई दे रहा है।

# लोक कर्म प्रभारी ने वार्ड 1 में पेवर लॉक कार्य का किया निरीक्षण, फिनिशिंग पर जताई नाराज़गी

**दुर्ग ( समय दर्शन )।** महापौर अलका बाघमार के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 1 में चल रहे पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य की गुणवत्ता का जायजा लेने आज लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर ने मौके पर पहुँचकर विस्तृत निरीक्षण किया। यह निरीक्षण चंद्रशेखर स्कूल के पास सड़क किनारे चल रहे निर्माण कार्य के संदर्भ में किया गया। उनके साथ निगम की उपअभियंता प्रेरणा दुबे एवं कार्य के ठेकेदार शुभ सोनकर भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान प्रभारी ने पेवर ब्लॉक कार्य की फिनिशिंग और स्तर को असंतोषजनक पाया। उन्होंने कई स्थानों पर ब्लॉकों की गलत बिछावट, अनियमित सतह और किनारों पर ढलाई की कमी को तुरंत चिन्हित किया। स्थिति को देखते हुए उन्होंने स्वयं अपने हाथों से माप-जोख कर कार्य की बारीकियों की जाँच की, जिससे मौजूद कर्मचारियों को भी स्पष्ट संदेश गया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार्य नहीं है।

# दीगर राज्य के अवैध धान परिवहन एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही 22 लाख 14 640 हजार रूपये का अवैध धान जप्त

**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** जिले में पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दीगर राज्य से आने वाले धान के परिवहन की रोकथाम हेतु बार्डर के चेक पोस्ट में तैनात बल द्वारा गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु विशेष दिशा-निर्देश जारी किया गया था। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समर्थन मूल्यों पर धान खरीदी केवल पंजीकृत किसानों को निर्धारित धान खरीदी केंद्रों में किये जाने हेतु प्रावधान है। चेक पोस्ट के माध्यम से तैनात पुलिस द्वारा अवैध गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है।इसी क्रम में 29 नवंबर को मुखबीर द्वारा थाना अमलीपदर को सूचना मिला की उड़िसा प्रांत से अवैध रूप से धान बिक्री हेतु परिवहन कर रहा है।जिसकी सूचना तस्दीक पर थाना से पुलिस स्टाफ रवाना कर चेक पोस्ट में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग किया जा रहा था। चेकिंग के दौरान 611 कट्टा कुल (244.4 क्विंटल) कीमती 07 लाख 57 हजार 640 रूपये का अवैध धान परिवहन करते ट्रक क्रमांक सी.जी. 04 जे.डी. 0761 को थाना अमलीदर के द्वारा जप्त किया गया। इसी प्रकार विगत 20 दिनों से विषेष अभियान चलाकर थाना देवभोग एवं थाना अमलीदर के द्वारा धान के अवैध परिवहन एवं बिक्री करते अलग-अलग कुल 22 प्रकरणों में 1786 कट्टा 714.4 क्विंटल अवैध परिवहन एवं बिक्री करते हुए पकड़ा गया। धान के परिवहन एवं बिक्री करने के संबंध में वैध कागजात मांगने पर किसी भी प्रकार का कागजात पेष नही करने पर अवैध धान परिवहन के संबंध में कार्यवाही कर संबंधित विभाग को सुपुर्द किया गया। अवैध धान बिक्री एवं परिवहन के विरूद्ध कार्यवाही आगे भी जारी रहेगा।

# जिला अस्पताल में मॉडल आपदा प्रबंधन योजना के सुदृढ़ क्रियान्वयन की शुरुआत

**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** जिला अस्पताल गरियाबंद मॉडल आपदा प्रबंधन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं यूनिसेफके सहयोग से महत्वपूर्ण गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं। विगत वर्ष हेल्थ सिस्टम ईमर्जन्सी प्रीपेरड्नस विषय पर राज्य एवं संभाग स्तर पर व्यापक प्रशिक्षण आयोजित किया गया था।जिसके आधार पर चयनित 7 जिलों में अस्पताल आपदा प्रबंधन समिति (॥ष्ठरूष्ट) का गठन किया गया,जिनमें गरियाबंद जिला भी शामिल है। मॉडल ॥ष्ठरूष्क को व्यवहारिक रूप से लागू करने हेतु यूनिसेफद्वारा राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ श्रीमती वंदना चौहान को जिलों के भ्रमण हेतु आमंत्रित किया गया है। जो अस्पतालों को हैं, होल्डिंग,मार्गदर्शन एवं तकनीकी सहायता प्रदान करेंगी।संपूर्ण प्रक्रिया जिला अस्पताल गरियाबंद के सिविल सर्जन डॉ.यशवंत ध्रुव के नेतृत्व,निर्देशन एवं सक्रिय उपस्थिति में निरंतर आगे बढ़ रही है।इसी क्रम में जिला अस्पताल में एक बहु-विभागीय बैठक आयोजित की गई।जिसमें फायर विभाग,विद्युत विभाग और पीडब्ल्यूडी के सदस्यों को शामिल किया गया हैं,ताकि आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक मजबूत,समन्वित एवं व्यवहारिक रूप से प्रभावी बनाया जा सके।इस कार्यक्रम के सफल संचालन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एन आर नवरतन के और सिविल सर्जन जिला कार्यक्रम अधिकारी गणपत कुमार नायक तथा यूनिसेफस्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. गजेन्द्र सिंह का मार्गदर्शन एवं सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा।

# 'धरती माता बचाओ अभियान' के तहत जागरूकता बढ़ाने पहल तेज

## नवागांव में पराली नहीं जलाने की अपील

**बेमेतरा ( समय दर्शन )।** नवागांव क्षेत्र में किसानों को पराली न जलाने के लिए जागरूक करने हेतु 'धरती माता बचाओ अभियान' के अंतर्गत व्यापक जागरूकता पहल शुरू की गई है। ग्राम पंचायत, कृषि विभाग और स्थानीय सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप से किसानों को समझाइश देते हुए कहा है कि पराली जलाने से सिर्फ पर्यावरण ही नहीं, बल्कि खेती की दीर्घकालिक क्षमता भी बुरी तरह प्रभावित होती है।

अभियान के दौरान किसानों को बताया गया कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण तेजी से बढ़ता है, जमीन की उर्वरकता घटती है, ज़रूरी पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और मिट्टी की संरचना कमजोर पड़ जाती है। साथ ही इससे पड़ोसी खेतों और आसपास की आबादी के स्वास्थ्य पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ग्राम नवागांव में ग्रामीणों और कृषकों को पराली प्रबंधन के वैकल्पिक उपायों जैसे मल्चर, हैपी सीडर, कम्पोस्टिंग और पराली को पशुपालन के लिए उपयोग करने जैसे पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने की सलाह दी गई। अभियान के प्रतिनिधियों ने कहा कि पराली जलाना न केवल प्राकृतिक संसाधनों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि यह नियमों के तहत दण्डनीय भी है। अभियान से जुड़े सदस्यों ने किसानों से अपील की कि वे कृषि विभाग के निर्देशों का पालन करें, पराली न जलाएँ और धरती माता की रक्षा में महत्वपूर्ण योगदान दें। ग्रामीणों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए पराली प्रबंधन के बेहतर तरीकों को अपनाने की बात कही।

'धरती माता बचाओ अभियान' का उद्देश्य गांवों में पर्यावरण संरक्षण की भावना को मजबूत करना और सतत कृषि को बढ़ावा देना है, जिसके लिए नवागांव में यह जागरूकता कार्यक्रम प्रभावी रूप से जारी है।

## कलेक्टर ने स्कूलों का सघन निरीक्षण किया और शिक्षकों की बैठक लेकर बेहतर परीक्षा परिणाम लाने निर्देश

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने शुक्रवार को विभिन्न स्कूलों का सघन निरीक्षण किया और शिक्षकों की बैठक लेकर बेहतर परीक्षा परिणाम लाने निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आमाडांड़, शासकीय कन्या एवं बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नवागांव, शासकीय कन्या हाई स्कूल मुरमुर, शासकीय कन्या एवं बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोड़गार, शासकीय हाई स्कूल कोटमीखुर्द एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बस्ती (बगरा) का निरीक्षण किया और प्रत्येक स्कूलों में शिक्षकों की बैठक लेकर 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शत प्रतिशत परिणाम लाने के लिए अपने नैतिक दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने कहा। उन्होंने दर्ज संख्या के अनुसार बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, उनके पालकों से सतत संपर्क करने, कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने, अतिरिक्त क्लास लेने, नियमित रूप से अभ्यास कराने, ब्लूप्रिंट के आधार पर परीक्षा की तैयारी कराने सहित परीक्षा परिणाम में सुधार लाने सुझाव दिए।

# जमीन रजिस्ट्री के बड़े भाव के विरोध में कांग्रेस का पुतला दहन



**गरियाबंद ( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जमीन रजिस्ट्री में बढ़ाए गए भाव के विरोध स्वरूप शनिवार के दोपहर को तिरंगा चौक में पुतला दहन किया गया।ज्ञात हो कि जमीन रजिस्ट्री में बढ़े भाव के चलते वर्तमान समय में गरीब और मध्यमर्गी लोगो को काफी परेशानी हो रही है,इस समस्या को लेकर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश में कांग्रेस पार्टी के सदस्यों द्वारा राज्य के मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन का असफल कोशिश किया गया।पूर्व नियोजित कार्यक्रम के अनुसार कांग्रेस सदस्यों ने जिला कांग्रेस भवन से पैदल मार्च करते हुए पुतला लिए तिरंगा चौक पहुंचे लेकिन तिरंगा चौक में तैनात पुलिस जवानों के प्रयास से पुतला दहन सफल नहीं हो पाया।इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष हाफिज खान ने कहा कि राज्य शासन द्वारा गाईडलाईन की दरों में 10 से 100 प्रतिशत बढ़ोतरी अनुचित हैं,इस अदूरदर्शी निर्णय इस निर्णय से बेरोजगारी बढ़ेगी,आर्थिक मंदी आयेगी भाजपा की सरकार आने के बाद भूमि की सरकारी दर 40 से 500 प्रतिशत बढ़ गयी।वही जमीनों के गाईड लाइन दर बढ़ाने का कांग्रेस विरोध करती है,यह सरकार का अदूरदर्शी फैसला है।

गाईडलाइन की दर बढ़ने से आम आदमी को परेशानी होगी, लोगों का मकान, दुकान, फैक्ट्री बनाने का खर्च बढ़ जायेगा। भूमि की खरीदी-बिक्री बंद हो जायेगी या कम हो जायेगी, बेरोजगारी बढ़ेगी।राज्य सरकार पहले भूमि के गाईडलाईन दरों में कांग्रेस सरकार के समय दिये जाने वाले 30 प्रतिशत छूट को समाप्त कर दिया।अब अचानक से जमीनों की सरकारी कीमत 10 से 100 प्रतिशत बढ़ा दिया।कांग्रेस सरकार ने 5 डिसमिल से कम जमीन की रजिस्ट्री शुरू कर तथा गाईडलाईन की दर में 30 प्रतिशत छूट कर प्रदेश में रियल स्टेट सेक्टर में प्राण फूंका था, यही कारण था कि कोरोना के समय भी छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था मजबूत थी।

वर्तमान सरकार के निर्णय से बेरोजगारी बढ़ेगी,अर्थव्यवस्था तबाह होगी, रियल स्टेट में गिरावट आयेगी।सरकार का आर्थिक प्रबंधन फेल हो गया है। सरकार के पास अपनी योजनाओं को चलाने के लिए पैसा नहीं है इसीलिए सरकार विभिन्न मदों में टैक्स बढ़ा कर जनता पर बोझ थोप रही है। इसीलिए जमीन के गाईड लाईन के रेट बढ़ाये गये तथा बिजली के दाम बढ़ाये गये।

बिजली बिल में 400 यूनिट छूट को समाप्त किया गया। अब जमीनों की रजिस्ट्री महंगी की जा रही है।इन समस्याओं को लेकर पुतला दहन रखा गया था जिसमें ओमकार ठाकुर,मो हाफिज खान,सन्नी मेमन,अमित मीरि,ललिता यादव,भूपेंद्र मांझी, अमृत पटेल,अवध राम यादव,भानु प्रताप सिंहा, घनश्याम ओगर,भूपेंद्र साहू,सविता गिरी, प्रतिभा पटेल,ममता फुलझले, के साथ कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

## धान की खुशबू और उम्मीदों का मौसम- बेमेतरा की खरीदी व्यवस्था सराहनीय

### बेमेतरा में धान खरीदी ने बढ़ाया किसानों का हौसला फसल से बाजार तक उम्मीदों और विश्वास की नई यात्रा



**बेमेतरा( समय दर्शन )।** खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बेमेतरा जिले के उपार्जन केंद्र इन दिनों रौनक से भरे नजर आ रहे हैं। सुबह होते ही धान से लदी गाड़ियाँ जब केंद्रों की ओर बढ़ती हैं, तो खेतों की खुशबू और किसानों के चेहरों पर भरोसा—दोनों मिलकर एक अनोखा माहौल बना देते हैं। 15 नवंबर से आरम्भ हुई धान खरीदी ने जिले के किसानों में नई ऊर्जा जगाई है। सुव्यवस्थित व्यवस्था, ऑनलाइन टोकन की सुविधा और समर्थन मूल्य पर पारदर्शी खरीदी ने किसानों को राहत और आत्मविश्वास दिया है।

स वर्ष कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य मिलने से किसानों की खुशी और बढ़ गई है। मेहनत की फसल जब उचित दाम में बदलती है, तो किसान का मन भी उतना ही भर जाता है। इसी तरह का अनुभव ग्राम टकसिवा के किसान श्री प्रेमलाल वर्मा का रहा। उन्होंने आज 123 क्विंटल धान का विक्रय किया और उनके चेहरे पर संतोष और विश्वास दोनों साफदिखाई दे रहे थे।

श्री वर्मा बताते हैं कि खेती आसान नहीं, लेकिन जब प्रशासन और सरकार की नीतियाँ साथ दें, तो कठिनाइयाँ भी कम महसूस होती हैं। पिछले वर्षों में मिले समय पर भुगतान और बेहतर प्रबंधन ने उन्हें खेती में मजबूती के साथ कार्य करने का अवसर दिया है। सहकारी समिति से समय पर खाद-बीज मिलने और सिंचाई की व्यवस्थित व्यवस्था ने उनके कृषि कार्यों को और सुचारू बनाया है।

वे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहते हैं कि इस बार खरीदी प्रक्रिया बेहद सरल, पारदर्शी और किसान हित में है। किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहे हैं।

उपार्जन केंद्रों में इस वर्ष कई सुधार देखने को मिले हैं। सटीक तौल के लिए इलेक्ट्रॉनिक मशीनें, पर्याप्त बारदाना, पेयजल और छांव जैसी सुविधाएँ किसानों के लिए उपलब्ध कराई गई हैं। बायोमैट्रिक सत्यापन और 'टोकन तुंहर हाथ' मोबाइल ऐप ने भी किसानों को लंबी कतारों से राहत दी है। मोटा, पतला और सरना किस्म के धान की खरीदी जिले के सभी केंद्रों में सुचारू और पारदर्शी ढंग से जारी है। दर सूची भी प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित की गई है ताकि हर किसान को स्पष्ट जानकारी मिल सके।

धान के बोरों की कतारें, खुश किसान और सक्रिय प्रशासन—इन सबके साथ बेमेतरा जिले में इस वर्ष की धान खरीदी केवल आर्थिक गतिविधि न होकर किसानों की उम्मीदों, मेहनत और सुखद अनुभवों से भरी एक सुंदर कहानी बन गई है।

## बसना में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

### बसना के हाईस्कूल मैदान में सांसद खेल महोत्सव का आयोजन सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में हुआ संपन्न



**बसना ( समय दर्शन )।** सांसद खेल महोत्सव का आयोजन नगर पंचायत बसना के अंतर्गत हाईस्कूल मैदान में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

खेल महोत्सव के कार्यक्रम में मीडिया से चर्चा के दौरान श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्य से ज्यादा बच्चों का पंजीयन कराया गया है। इससे लगता है कि बच्चों की खेल के प्रति उत्साह एवं जागरूकता आई है। बसना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत संकुल केन्द्र भुकेल, बड़े साजापली , गढफुलझर में खेल महोत्सव का आयोजन हो चुका है।आज बसना नगर में दुबारा खेल महोत्सव का आयोजन हो रहा है। खेल के प्रति बच्चों का उत्साह दिख रहा है। खेल के प्रति बच्चों की प्रतिभा को सामने लाने के लिए सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कथन है खेलेगा इंडिया तो बढ़ेगा इंडिया के मिशन पर यह आयोजन किया जा रहा है। हेमंत बारीक छत्तीसगढ कोच कबड्डी ने बताया कि शासन के द्वारा आयोजित सांसद खेल महोत्सव निश्चित ही एक अच्छा आयोजन है। पूरे विधानसभा क्षेत्र में चल रहे खेल महोत्सव से निश्चित ही बच्चे अपने प्रतिभा का प्रदर्शन कर उच्च स्तर को प्राप्त करेंगे।पारम्परिक खेल जो उभरकर सामने नहीं आ रहे थे सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से इसका परिणाम सकारात्मक आयेगा। छिबर्रा से कबड्डी खेलने पहुंचे छात्रा ईश्वरी यादव ने कहा कि खेल महोत्सव में भाग लेकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है।आदर्श हायर सेकंडरी स्कूल, स्वामी आत्मानंद स्कूल, शासकीय कन्या शाला के अलावा पथरला सहित विभिन्न स्कूलों के छात्राओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया।स्कूली छात्राओं के द्वारा खेल महोत्सव में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने छात्राओं के उत्कृष्ट प्रस्तुति से खुश होकर उन्हें पुरस्कार भी दिया।

सांसद खेल महोत्सव के आयोजन में श्रीमती मोंगरा पटेल अध्यक्ष जिला पंचायत महासमुंद, हरिशंकर पैंकरा एस डी एम, पीयुष ठाकुर सी ई ओ जनपद पंचायत,सूरज सिदार सी एम ओ,शीत गुप्ता उपाध्यक्ष नगर पंचायत, पार्षद मुजम्मिल कादरी, महेन्द्र सिंह अरोरा पिंटू, मनोज गहेरवाल पार्षद,नरेन्द्र यादव मंडल अध्यक्ष, अनिल साव बी आर सी, शरण दास राजन अध्यक्ष शिक्षक संघ,मोहित पटेल उपाध्यक्ष जनपद पंचायत,भीष्म प्रधान इंजीनियर के अलावा शिक्षकों, नगर पंचायत के कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। उक्त अवसर पर सैकड़ों की संख्या स्कूली बच्चे उपस्थित रहे।

## ग्राम आरबी चीफ मेन में लक्ष्मी पूजन महोत्सव का भक्तिमय आयोजन

**महासमुंद ( समय दर्शन )।** जिला महासमुंद के पिथौरा ब्लॉक के गांव आर बी चिप मेन में महालक्ष्मी पूजा का आयोजन किया गया ।

सभी ग्रामीण जन एवं समिति द्वारा हर्ष उल्लाश के साथ महालक्ष्मी माता की पूजा अर्चना किया गया। इस दौरान कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 28/11/25 दिन शुक्रवार को रखा गया था, जिसमे कई दूर दूर से कबड्डी खिलाड़ी पहुच कर बढ़ चढ़ कर खेल में हिस्सा लिए। जिसमे प्रथम पुरस्कार मोहगांव और दूसरा पुरस्कार बहादुलपुर ने लिया।

प्रथम पुरस्कार ग्राम सरपंच विजय बारीक् एवं उप सरपंच रुक्मणि हेमंत पटेल के द्वारा दिया गया। द्वितीय पुरस्कार राजनारायण पटेल द्वारा दिया गया तथा तृतीय पुरस्कार ग्राम प्रमुख हिर्दय पटेल द्वारा दिया गया , चतुर्थ पुरस्कार राजकुमार पटेल दुवारा दिया गया जिसमे सभी समिति गण लक्ष्मण साहू, हितेश पटेल, काशीराम नायक, भारद्वाज पटेल, पंचगढ़ ईश्वर सिदार, राजकुमार यादव, रेवाशंकर पटेल, अलेख यादव ,कबड्डी प्लेयर हीरोद पालेश्वर, कप्तान एवं तेजराम यादव, उप कप्तान आकाश पटेल , चित्रसेन पलेश्वर, अतुल पटेल, यश यादव, नोहरमानी साहू एवं विष्णु चरण पटेल ,डोलामणि पटेल तथा अनीस पटेल मौजूद थे। इस भव्य खेल का आकर्षण बढ़ाने के लिए ग्रामीण एवं दूर-दूर से आए हुए खेल प्रेमी सैकड़ों कुछ संख्या में मौजूद थे।

## गायत्री विद्यापीठ में सीए संतोष जैन का मार्गदर्शन, छात्रों को वाणिज्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुझाव



**राजनांदगांव ( समय दर्शन )।** जिले की ख्याति प्राप्त संस्था गायत्री विद्यापीठ में प्रसिद्ध चार्टेड एकाउंटेंट संतोष जैन एवं उनकी टीम द्वारा कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों हेतु एक प्रेरणादायक मार्गदर्शन सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वाणिज्य क्षेत्र के आधुनिक अवसरोंए कैरियर संभावनाओं एवं आवश्यक कौशलों के प्रति जागरूक करना था। सीए संतोष जैन ने विद्यार्थियों को वाणिज्य के क्षेत्र में अनेक संभावनाओं से परिचित कराते हुए वित्तीय प्रबंधन, निवेश प्रबंधन आदि अनेक विषयों पर सरल और रोचक तरीके से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में वाणिज्य क्षेत्र में कैरियर के विस्तृत अवसर मौजूद है जिनमें सीए, सीएमए, सीएस, बैंकिंग, फाइनेंस, बिजनेस मैनेजमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप प्रमुख है।

उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, निरंतर अभ्यास, समय प्रबंधन, तर्कसंगत सोच को अपनी पढ़ाई और करियर का केन्द्र बिन्दु बनाने की सलाह दी। एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार द्वारा सीए संतोष जैन एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि उनका मार्गदर्शन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी और प्रेरक सिद्ध होगा।

सीए संतोष जैन (स्पीकर), सीए प्रतीक अग्रवाल (चेयरमेन), सीए सुखदेव राठी (वाइस चेयरमेन), सीए मीनेष जैन (पास्ट चेयरमेन), सीए प्रभजीत सिंह जग्गी (सचिव), सीए रनदीप सिंह भाटिया (प्रोग्राम डायरेक्टर), सीए अंकेश सिन्हा, सीए रविशु सुराना, सीए सान्या कोटड़िया को विद्यालय प्रबंधन द्वारा गुरूदेव का साहित्य, दुपट्टा व श्रीफल से सम्मानित किया गया। उक्त आयोजन हेतु गायत्री शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. बृजकिशोर सुरजन, उपाध्यक्ष श्रीमती संध्यादेवी सिंघल, राजेश जैन, सचिव गगन लड्ढा, सहसचिव निकुंज सिंघल, कोषाध्यक्ष सूर्यकांत चितलांग्या, स्पोर्ट्स डायरेक्टर सागर चितलांग्या, संरक्षक नंदकिशोर सुरजन, श्रीमती सुषमा सुरजन, सांस्कृतिक प्रभारी हरीश गांधी, श्रीमती रूपाली गांधी, एकेडमिक डायरेक्टर अमित उत्तलवार, प्राचार्य श्रीमती शैलजा नायर, श्रीमती पिंकी खण्डेलवाल, उप प्राचार्य श्रीमती रश्मि ठाकुर, श्रीमती वंदना डुंभरे, प्रशासक अनिल वाजपेयी, स्कूल मैनेजर तरणजीत सिंह टूटेजा, स्कूल आब्जर्वर अंकित व्यास एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

## कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने किया धान उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण



**महासमुंद ( समय दर्शन )।** राज्य शासन के मंशानुरूप जिले में धान खरीदी कार्य की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज बिरकोनी, आछोला, तुमगांव, भोरिंग और जोबा उपार्जन केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी प्रक्रिया, तौल व्यवस्था, बारदाना उपलब्धता, गुणवत्ता परीक्षण, किसानों की सुविधा तथा सुरक्षा प्रबंधन का बारीकी से जायज़ा लिया।

कलेक्टर लंगेह ने उपार्जन केंद्रों में मौजूद किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएँ सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी किसान को अनावश्यक देरी या परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। इस दौरान उन्होंने तौल कांटे एवं स्टैक यार्ड की व्यवस्था का निरीक्षण किया तथा बारदाना की पर्याप्त उपलब्धता की पुष्टि की। नमी मापने की मशीन की कार्यप्रणाली की जाँच की।कलेक्टर ने ऑनलाइन पंजीयन सूची एवं टोकन व्यवस्था की समीक्षा की तथा खरीदी डेटा को समय पर पोर्टल में अपडेट करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की भी जाँच की ट्रक लोडिंग और परिवहन व्यवस्था को तेज करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बारिश/सीलन की स्थिति में धान को सुरक्षित रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था रखने कहा। किसानों के लिए पीने के पानी व बैठने की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। कलेक्टर लंगेह ने कहा कि धान खरीदी सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

### विकासखण्ड स्तरीय स्काउट गाइड तृतीय सोपान जांच शिविर

**पिथौरा( समय दर्शन )।** पिथौरा मे विकास खंड स्तरीय तृतीय सोपान स्काउट गाइड जांच शिविर का आयोजन पिथौरा ब्लॉक के ग्राम जंघोरा में आयोजन किया गया ।

जिसका शुभारंभ पिथौरा ब्लॉक अध्यक्ष स्काउट गाइड संघ सत्यनारायण अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में हुआ, जिसमें राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट लक्ष्मीकांत बबलू सोनी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष स्काउट गाइड संघ स्वप्निल तिवारी, पिथौरा ब्लॉक उपाध्यक्ष मनमीत कौर सलूजा, श्रीमती देवकुमारी, श्रीमति नीलम अग्रवाल, डॉ संजय गोयल, मीडिया प्रभारी डॉ गौरव चंद्राकर, ग्राम पंचायत जघोरा की सरपंच श्रीमती दीवान, उपसरपंच वरुण राजपूत की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में नव नियुक्त राज्य मुख्यालय आयुक्त स्काउट लक्ष्मीकांत बबलू सोनी का पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। स्काउटर संतोष साहू, रोहणी देवांगन, झनेश साहू, रामकुमार नायक, नरेश नायक, गाइडर श्रीमती सरस्वती पटेल, दीपिका देवांगन, श्रीमती नायक मैडम, उपस्थित थे।

## जनजातीय वीरों के त्याग और बलिदान की अतीत पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

**किरंदुल ( समय दर्शन )।** शासकीय अरविंद महाविद्यालय किरंदुल में जनजातीय गौरव माह के अंतर्गत जनजातीय समाज का गौरवशाली अतीत विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार दोपहर को महाविद्यालय के सभागार में किया गया।।कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ महतारी,जनजातिय नायकों एवं सरस्वती माता के चित्रों पर पुष्प माल्यार्पण एवं पूजा अर्चना के साथ हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संजीव दास अध्यक्ष जनभागीदारी समिति, अरविंद महाविद्यालय किरंदुल रहे।उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास वीरता, त्याग और स्वाभिमान से भरा हुआ है, और आज की युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए शिक्षा व विकास की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है।मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित इतिहासकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता जयराम दास ने जनजातीय समाज के संघर्ष, संस्कृति और योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि हमारे जनजातीय पूर्वजों ने संघर्ष, त्याग और साहस के बल पर अपनी भूमि और पहचान को बचाया।उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा, वीर नारायण सिंह गुंडाधुर, रानी दुर्गावती जैसे अनेक वीरों के बलिदान को याद किया।इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी पहचान और संस्कृतिक धरोहर को संजोते हुए समाज और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. के. हिरकने के द्वारा किया गया।इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक सुखराजु नुरेटी सह संयोजक शारदा दर्रो प्राध्यापक डॉ. तंजीन आरा खान, डॉ. रवि रंजन ग्रन्थपाल,रजनी मण्डल,डॉ. ममता रात्रे,डॉ. शबीना खान,जीतेन्द्र पोंदी,धीरेन्द्र टंडन,आशीष नेताम एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

# संक्षिप्त-खबर

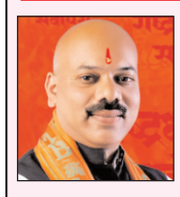

### रिकॉर्ड जीडीपी ग्रोथ बताता है कि मोदी मैजिक अभी भी बरकरार है : सुरेंद्र कौशिक



**दुर्ग ( समय दर्शन )।** भारतीय अर्थव्यवस्था की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत होने पर जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत के लिए यह गौरव करने का विषय है। पूरे विश्व में अस्थिरता के हालात है लम्बे समय से रूस,यूक्रेन युद्ध चल रहा है, ठ्ठपाकिस्तान, अफगानिस्तान के बीच तनाव के साथ नेपाल,बांग्लादेश में तख्ता पलट हुआ है,अमेरिका, चीन के बीच भी तनाव बना हुआ है ऐसे नकारात्मक माहौल में भारत ने खुद को बचा रखा है यह केवल मोदी मैजिक से ही संभव है। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा हमारे देश में सभी सेक्टर्स में भारी बूम देखने को मिल रहा है। कृषि,मैन्युफैक्चरिंग,कंस्ट्रक्शन, सर्विस सभी सेक्टर्स में भारी ग्रोथ है।देश की आर्थिक रफ्तार तेज होने के साथ साथ यह इस बात का भी प्रमाण है कि देश का प्रत्येक व्यक्ति अब आर्थिक रूप से भी मजबूत और सशक्त हो रहा है लोगों की क्रय शक्ति बढ़ रही है,लोग पहले से बेहतर जीवन यापन कर रहे है।

जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि अमेरिका द्वारा बड़े टैरिफ की घोषणा के बाद विपक्ष हमेशा की तरह देश के लिए नकारात्मक माहौल बनाना शुरू कर दिया था परंतु भारत अब मजबूत नेतृत्व में काम कर रहा है विपक्ष को भी देश विरोधी एजेंडा चलाने से बाज़ आने की जरूरत है। भारत की आर्थिक नीतियां वर्तमान में विश्व के लिए आदर्श है। जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि जीडीपी बढ़ाना सब संकट भारत का व्यक्ति आर्थिक रूप से सशक्त बना रहा है एक तरफ रिकॉर्ड जीडीपी ग्रोथ तो दूसरी तरफ महंगाई 13 वर्षों में सबसे कम यह किसी चमत्कार से कम नहीं।प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की दूरदर्शी सोच एवं आर्थिक क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सुधारों का परिणाम है। यूपीए और कांग्रेस के 10 वर्षों के शासन में भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से एक पायदान भी आगे नहीं बढ़ पाई थी महगांई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे लेकिन मोदी सरकार में हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जल्द ही हम विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था होंगे। भारत के आर्थिक विकास में छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का भी भरपूर योगदान मिल रहा है छत्तीसगढ़ ने भी जीडीपी में अभूतपूर्व योगदान दिया है।

### राजपूत क्षत्रिय महासभा महाराणा प्रताप सास्कृतिक एवं कला परिषद रायपुर द्वारा आज राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन



**रायपुर( समय दर्शन )।** राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ महाराणा प्रताप सांस्कृतिक एवं कला परिषद के तत्वाधान में 30 नवंबर रविवार, राजपूत छात्रावास भवन कोटा रायपुर में दोपहर 12:00 बजे राज्य स्तरीय कवि सम्मेलन किया जा रहा है। राजपूत क्षत्रिय महासभा छत्तीसगढ़ के प्रचार सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि कवि सम्मेलन में राज्य भर से समाज के जाने-माने कवि अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्र मुग्ध करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महासभा के अध्यक्ष ठाकुर बजरंग सिंह बैस होंगे ।कार्यक्रम के विशिष्ट तिथि केंद्रीय पदाधिकारी तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृत एवं कला परिषद के अध्यक्ष ठाकुर पंकज सिंह करेंगे।। कवि सम्मेलन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कवियों का सम्मान एवं पुरस्कृत किया जावेगा । कवि सम्मेलन में उपस्थित होने महासभा के बजरंग सिंह बैस अध्यक्ष, नरेंद्र सिंह राजपूत वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पंकज कुमार भुवाल उपाध्यक्ष, नीरज सिंह क्षत्रिय कोषाध्यक्ष, अशोक ठाकुर महासचिव, सत्येंद्र सिंह राजपूत सह सचिव, घनश्याम सिंह चौहान उप सचिव, अजय सिंह संगठन सचिव, डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर प्रचार सचिव, श्रीमती रश्मि राजपूत महिला अध्यक्ष, श्रीमती मधुबाला सिंह महिला सचिव, अनुराग सिंह युवा अध्यक्ष, महेंद्र सिंह युवा सचिव तथा सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष पंकज सिंह होंगे।

### छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के रायपुर शहर जिलाध्यक्ष बने कुमार मेनन

**रायपुर( समय दर्शन )।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रायपुर और ग्रामीण जिलाध्यक्ष घोषित कर दिए हैं। पूर्व पार्षद श्री कुमार मेनन को रायपुर शहर जिलाध्यक्ष बनाया गया है। श्रीकुमार रायपुर शहर जिला यूथ कांग्रेस के भी अध्यक्ष रहे हैं, इस दौरान वे काफी सक्रिय रहे, इसके बाद श्रीकुमार रायपुर नगर निगम में लगातार पार्षद रहे। पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र पप्पू बंजारे को रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष बनाया गया है। पप्पू बंजारे भी काफी सक्रिय हैं। इसके अलावा जेल में बंद पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा के पुत्र हरीश लखमा को सुकमा जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं राकेश ठाकुर को पुन: दुर्ग ग्रामीण जिला की कमान सौंपी गई है।

### पराली न जलाने किसानों से की गई अपील, उल्लंघन पर होगी सख्त कार्यवाही

**बेमेतरा ( समय दर्शन )।** कृषि विभाग द्वारा किसानों को लगातार पराली प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, बेरला कार्यालय द्वारा ग्राम कठिया के किसान श्री शिवनंदन टण्डन को पराली जलाने के संबंध में चेतावनी जारी की गई है। जारी सूचना के अनुसार 29 नवंबर 2025 को किसान द्वारा अपने खेत ( ग्राम कठिया) में पराली जलाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई। पराली जलाना पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (ह्लत्रज्ञ) तथा राज्य शासन के दिशानिर्देशों के तहत दण्डनीय अपराध है।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग ( छ.ग. ) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26